@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 12 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 279 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

घाटी में आतंकी धमकी के बाद बड़ा फैसला

20 अगस्त तक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की छुट्टी

स्टेडियम ड्यूटी रद्द

लिखित आदेश नहीं, मौखिक निर्देश जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और कश्मीरी पंडित एवं अन्य अल्पसंख्यक कर्मचारियों की चिंताओं को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। श्रीनगर में कार्यरत पीएम पैकेज, नॉन-पीएम पैकेज और प्रवासी कर्मचारियों को 20 अगस्त 2026 तक कार्यालयों में भौतिक उपस्थिति से विशेष राहत दी गई है। इसके साथ ही उन्हें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्टेडियम में होने वाले आधिकारिक समारोह की ड्यूटी से भी अलग रखा गया है। श्रीनगर में करीब 2,800 कर्मचारियों को सुरक्षा चिंताओं के बीच फिजिकल अटेंडेंस से छूट और स्वतंत्रता दिवस की स्टेडियम ड्यूटी से भी रखा गया दूर। प्रशासन की ओर से इस संबंध में फिलहाल कोई औपचारिक लिखित आदेश जारी नहीं किया गया है। हालांकि संबंधित अधिकारियों, विभागाध्यक्षों और ड्राइंग एंड डिसबर्सिंग अधिकारियों को मौखिक निर्देश दिए गए हैं ताकि कर्मचारियों को तत्काल राहत मिल सके। यह फैसला श्रीनगर एम्प्लॉइज कलेक्टिव की घाटी में पूर्व में हुई लक्षित हत्याओं का हवाला देते हुए कर्मचारियों और उनके परिवारों में सुरक्षा को लेकर बनी चिंता से प्रशासन को

ओर से जिला उपायुक्त अक्षय लबरू को भेजे गए पत्र के बाद लिया गया। कर्मचारी संगठन ने अवगत कराया था।

कर्मचारियों ने की थी स्टेडियम ड्यूटी से छूट की मांग- कर्मचारी संघ ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की स्टेडियम ड्यूटी से राहत देने के साथ कार्यालय में भौतिक उपस्थिति से भी अस्थायी छूट की मांग की थी। संघ ने सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए कर्मचारियों को 25 अगस्त तक कार्यालय आने से छूट देने का अनुरोध किया था। प्रशासन ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए फिलहाल 20 अगस्त तक भौतिक उपस्थिति से राहत देने का निर्णय लिया है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित कर्मचारियों को विभागीय स्तर पर किसी तरह की परेशानी या भ्रम का सामना न करना पड़े।

कई कर्मचारी परिवार सहित जम्मू रवाना

एक पीएम पैकेज कर्मचारी ने बताया कि इन निर्देशों के बाद बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित कर्मचारी अपने परिवारों के साथ जम्मू रवाना हो चुके हैं। हालांकि, जिन कर्मचारियों के बच्चे घाटी में पढ़ रहे हैं उनमें से कुछ अभी यहीं रुके हुए हैं। उन्हें मौखिक रूप से बताया गया है कि फिलहाल उन्हें कार्यालयों में भौतिक रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। कर्मचारियों का कहना है कि यह राहत मौजूदा परिस्थितियों में उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता कम करने में मदद करेगी।

स्वतंत्रता दिवस से पहले बीएसफ कैंप में घुसपैठ की कोशिश

संदिग्ध के मोबाइल में मिले पाकिस्तानी नंबर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रायसिंहनगर स्थित 163वीं बटालियन के कैंप में घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध को पकड़ लिया। आरोपी बिना अनुमति कैंप की दीवार फांदकर अंदर प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। उसके मोबाइल फोन की जांच में पाकिस्तानी नंबरों से कॉल और मैसेज का रिकॉर्ड मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। बीएसएफ की रिपोर्ट पर रायसिंहनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त पूछताछ केंद्र (JIC) भी आरोपी से पूछताछ करेगा। बीएसएफ की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, 9 अगस्त 2026 को शाम करीब 6:05 बजे गांव 02 एफएफ निवासी सुभाष चंदर पुत्र गोविंद राम बीएसएफ कैंप की दीवार फांदकर परिसर में घुसने का प्रयास कर रहा था। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी का रायसिंहनगर सीएचसी में मेडिकल कराया गया और उसे रायसिंहनगर पुलिस के हवाले कर एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रारंभिक पूछताछ और आरोपी के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल्स की जांच में सामने आया कि वह पाकिस्तान के कंट्री कोड +92 वाले कई मोबाइल नंबरों के संपर्क में था। जांच में इन नंबरों पर कई बार कॉल और मैसेज किए जाने के प्रमाण मिले हैं।

'वंदे मातरम' बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी

जन गण मन जैसा मिलेगा कानूनी संरक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को एक विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसके तहत जानबूझकर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के गायन में बाधा डालना या उसे रोकना अपराध माना जाएगा। सरकार के एक बयान में कहा गया है कि इसे वही कानूनी सुरक्षा मिलेगी जो अभी राष्ट्रीय गान को हासिल है।

नए कानून में क्या है?

राष्ट्रपति की सहमति से राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026, कानून बन गया है। लोकसभा ने 30 जुलाई को विधेयक पारित किया था, जबकि राज्यसभा ने इसे एक दिन पहले ही मंजूरी दे दी थी। इस विधेयक के अंतर्गत वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इससे पहले, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम के तहत जानबूझकर राष्ट्रगान (जन गण मन) गाने से रोकना या ऐसे गायन में लगे किसी भी सभा में अशांति पैदा करना प्रतिबंधित था।

कितने साल की सजा हो सकती है?

इन अपराधों के लिए अधिकतम तीन साल की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती थी, जबकि दूसरी और उसके बाद की हर सजा के लिए कम से कम एक साल की कैद का प्रावधान था। पूर्ववर्ती कानून में राष्ट्रगान को समान संरक्षण प्रदान नहीं किया गया था।

बिल में क्या कहा गया था?

बिल में कहा गया था, 'अभी 'वंदे मातरम' के गायन के अपमान को रोकने के लिए कोई खास कानूनी प्रावधान नहीं है, जबकि इसे राष्ट्रीय गीत का सम्मान प्राप्त है। इसलिए, किसी व्यक्ति को जानबूझकर राष्ट्रीय गीत गाने से रोकने या ऐसे गायन में लगी किसी सभा में बाधा डालने से रोकने के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 3 में संशोधन करके राष्ट्रीय गीत को भी इसके दायरे में लाने का प्रस्ताव है, ताकि ऐसे कार्यों को दंडनीय बनाया जा सके।'

'अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग, इस सच को कोई नहीं बदल सकता'

• विदेश मंत्रालय ने चीन के दावों पर साफ किया रुख

एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश और अरुणाचल प्रदेश से जुड़े दो अहम मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारतीय दूत दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री रहमान से मुलाकात की। भारत ने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र के लिए भी आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत की ओर से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को द्विपक्षीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा

उन्हें दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र में शामिल होने का न्योता भी दिया गया है। जायसवाल ने कहा कि इस मामले से जुड़ी आगे की जानकारी समय-समय पर साझा की जाएगी।

सीमा शांति सबसे अहम

दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत-चीन सीमा संबंधी मामलों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीमा की स्थिति का असर दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है।

चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश को लेकर आई प्रतिक्रिया पर पूछे गए सवाल के जवाब में रणधीर जायसवाल ने भारत की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक ऐसी वास्तविकता है जो स्वयं स्पष्ट है और इस निर्विवाद सच्चाई को कुछ भी नहीं बदल सकता।

पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर पर भारत का रुख

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओके) की स्थिति पर भारत का रुख दोहराते हुए कहा कि भारत वहां के घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर भारत गंभीर चिंता व्यक्त करता रहा है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों पर जवाबदेही तय करने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि भारत इस मुद्दे को लेकर अपनी चिंता पहले भी व्यक्त करता रहा है और आगे भी स्थिति पर नजर बनाए रखेगा।

राहुल गांधी पर कंगना रनौत का हमला

बोलीं, राहुल गांधी भगोड़े साबित हो रहे

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष और सरकार के बीच जारी गतिरोध को लेकर भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। संसद परिसर के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कंगना ने कहा कि विपक्ष पहले सदन में चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा कर रहा था, लेकिन अब जब चर्चा होने जा रही है तो वह उससे पीछे हट रहा है। कंगना रनौत ने कहा, 'पहले उन्होंने (विपक्ष ने) चर्चा के लिए इतना हंगामा किया। अब जब चर्चा होने जा रही है तो वे इससे भाग रहे हैं। वे अमित शाह जी को सुनना नहीं चाहते। ऐसे सदन कैसे चलेगा?' भाजपा सांसद ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश देख रहा है कि विपक्ष किस तरह 'राष्ट्रविरोधी ताकतों के हाथों में चला गया है।' उन्होंने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि विपक्ष ने सदन को एक दिन भी सुचारु रूप से चलने नहीं दिया है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने की अपील की

• कहा-घरों में उत्सव की तरह मनाएं 'हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान को उत्सव के रूप में मनाने की अपील की है। पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, 'आइए, हर घर तिरंगा को हर घर में एक उत्सव के रूप में मनाएं।' आइए 15 अगस्त को आन-बान-शान से मनाएं, स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें और विकसित भारत का संकल्प लें।' देशवासियों से अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा, हर मन तिरंगा। आइए, हर घर पर तिरंगा लहराइए।' पीएम मोदी द्वारा शेयर वीडियो में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ एनडीए के नेता दिखाई दिए। इससे पहले मंगलवार को संसद पुस्तकालय में आयोजित 'मंगल मिलन' कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तिरंगा ध्वज के साथ नजर आए। सांसदों के हाथ में तिरंगा था।

पीएम मोदी की अपील पर सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट में लिखा कि आइए, स्वतंत्रता के अमर सेनानियों को नमन करें, जिन्होंने अपने त्याग, तप और बलिदान से भारत की स्वाधीनता का मार्ग प्रशस्त किया। पीएम मोदी ने ने हर दिल्लीवासी और हर भारतवासी से 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन का राष्ट्रपर्व बनाने का आह्वान किया है। आइए, अपने घर पर तिरंगा फहराएं, वीरों के बलिदान को स्मरण करें और राष्ट्रगौरव के इस उत्सव को हर गली, हर कॉलोनी तक पहुंचाएं। हर घर तिरंगा। हर मन तिरंगा। भारत माता की जय। उन्होंने कहा कि 9 से 17 अगस्त तक आयोजित हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ें और अपने घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपने गौरव, सम्मान और समर्पण की भावना को

15 अगस्त को आन-बान-शान से मनाएं, स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें और विकसित भारत का संकल्प लें।' : मोदी

अभिव्यक्त करें। साथ ही, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 गौरवशाली वर्षों के अवसर पर इसकी अमर भावना और माँ भारती की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले बलिदानियों को नमन करें।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह

114 दिनों में 47 लाख से अधिक भक्तों ने किए दर्शन

मानसून को देखते हुए राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र 24 घंटे अलर्ट मोड पर है

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून की चुनौतियों के बीच चारधाम यात्रा लगातार जारी है। यात्रा शुरू होने के 114 दिनों में अब तक 47 लाख से अधिक श्रद्धालु बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर चुके हैं। प्रदेश सरकार के अनुसार, 10 अगस्त तक कुल 47,02,703 श्रद्धालु चारों धामों में दर्शन कर चुके हैं। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस बार 4.68 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। वर्ष 2025 में समान अवधि में यह संख्या करीब 42,34,147 थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि चारधाम यात्रियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मानसून को देखते हुए राज्य

का आपदा प्रबंधन तंत्र 24 घंटे अलर्ट मोड पर है और सभी जिलाधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रियों से भी मौसम की स्थिति को देखते हुए ही यात्रा करने की अपील की गई है।उन्होंने कहा कि चारों धामों और यात्रा पड़ावों पर यात्रियों के ठहरने, भोजन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों की सहायता के लिए सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के माध्यम से भी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार -

अब तक बद्रीनाथ में 16,12,112, केदारनाथ में 14,50,116, गंगोत्री में 7,37,629 और यमुनोत्री धाम में 6,62,347 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, हेमकुंट साहिब में 2,40,499 श्रद्धालु शीश नवा चुके हैं।

केरल का नाम केरलम किए जाने वाला विधेयक लोकसभा से पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को केरल राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने से जुड़ा विधेयक शोर-शराबे के बीच बिना किसी चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। खगोलशास्त्र केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज सदन में शोर-शराबे के बीच केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 चर्चा हेतु पेश किया और संक्षिप्त में जवाब दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक के पारित किए जाने के कुछ कांग्रेस सांसदों ने विरोध किया है। दूसरी संसदीय कार्यमंत्री ने किरेन रिजिजू ने विधेयक पारित होने के बाद दुख जताया कि विधेयक पर वरिष्ठ सदस्य केसी वेणुगोपाल को बोलने का अवसर नहीं मिला। उल्लेखनीय है कि लोकसभा में पिछले दो सप्ताह से जारी व्यवधान आज भी जारी रहा।

सेना प्रमुख ने हरियाणा के राज्यपाल के साथ की बैठक

आर्मी चीफ ने राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र-निर्माण के प्रति इंडियन आर्मी की प्रतिबद्धता और संकल्प के बारे में गवर्नर को भरोसा दिलाया।

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को हरियाणा लोक भवन में हरियाणा के गवर्नर प्रो. असीम कुमार घोष से मुलाकात की। इस बातचीत के दौरान सिविल-मिलिट्री तालमेल और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में लेडी गवर्नर मित्रा घोष, वेस्टर्न कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, गवर्नर के सचिव विजय कुमार भाविकट्टी और आर्मी हेडक्वार्टर व राज्य सरकार के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। इंडियन आर्मी की कमान संभालने के बाद आर्मी चीफ की गवर्नर के साथ यह पहली मुलाकात थी। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें आंतरिक सुरक्षा, युवाओं का सशक्तिकरण, अग्निवीरों का रोजगार, पूर्व सैनिकों का कल्याण, हाउसिंग प्रोजेक्ट, आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम और ऑपरेशनल तैयारी शामिल हैं। बैठक में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और उनके असर को कम करने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन पकड़ने के लिए जल्दी पहुंचें नई दिल्ली स्टेशन, एंट्री गेट्स पर चेकिंग के चलते छूट सकती है गाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की जा रही है। लाल किला सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। रेलवे स्टेशनों पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। यात्रियों व उनके सामान की गहन जांच की जा रही है इसमें अधिक समय लग रहा है। इस कारण यात्रियों कुछ अतिरिक्त समय लेकर स्टेशन पर पहुंचने की सलाह दी जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और गहन जांच होगी। उत्तर रेलवे ने एक्स पर पोस्ट कर भी कहा है कि 13 से 16 अगस्त तक जांच बढ़ाई जाएगी। इस कारण यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने के लिए प्रवेश द्वार अधिक समय लग सकता है। इसे ध्यान में यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए अतिरिक्त समय लेकर स्टेशन पर पहुंचना चाहिए जिससे कि जांच के बाद वह ट्रेन के प्रस्थान समय से पहले प्लेटफार्म पर पहुंच सके। रेलवे ने यात्रियों से सुरक्षा जांच में सहयोग करने की अपील की है। रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म व ट्रेन में अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की गई है। पूरे स्टेशन परिसर और ट्रेन में जांच अभियान चलाया जा रहा है। मेट्रो स्टेशनों पर भी सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है। इससे यात्रियों को प्रवेश द्वार पर अधिक समय लग रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने भी यात्रियों से अधिक समय लेकर मेट्रो स्टेशन पर पहुंचने की सलाह दी है।

डीयू परिसर में बेतरतीब पार्किंग पर सख्ती, एंबुलेंस-दमकल के रास्ते में खड़े किए वाहन तो होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू परिसर में बेतरतीब और अवैध पार्किंग अब सिर्फ यातायात जाम की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह आपातकालीन सेवाओं के लिए भी बड़ा खतरा बनती जा रही है। सड़कों के दोनों ओर वाहनों के खड़े होने से रास्ते संकरे होने और एंबुलेंस व दमकल वाहनों के आवागमन में बाधा की आशंका को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। प्राक्टर कार्यालय ने सोमवार को एडवाइजरी जारी कर छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और आगंतुकों को निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन के अनुसार, कैंपस में छात्र मार्ग, जीसी नारंग मार्ग, सुधीर बोस मार्ग, गुरु तेग बहादुर रोड, श्रेया मिश्रा मार्ग और यूनिवर्सिटी रोड समेत कई प्रमुख सड़कों पर दोनों तरफ वाहन खड़े किए जा रहे हैं। इसके अलावा ग्यिर हाल कैंटीन के आसपास भी पार्किंग के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। व्यस्त समय में इन मार्गों पर वाहनों की आवाजाही धीमी होने से छात्रों और कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। प्राक्टर कार्यालय ने एडवाइजरी में विशेष रूप से चेताया है कि किसी दुर्घटना, आग लगने या अन्य आपात स्थिति में सड़क पर खड़े वाहन राहत और बचाव दल के लिए रास्ता रोक सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में पतंगबाजी का खतरा, जानलेवा मांझे पर बिजली कंपनियां अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस नजदीक आते ही राजधानी पतंगबाजी शुरू हो गई है। कई लोग प्रतिबंध के बावजूद पतंग उड़ाने के लिए धातु लेपित मांझे का उपयोग करते हैं। इसकी चपेट में आकर लोगों के घायल होने की घटनाएं सामने आ चुकी है। पिछले वर्षों में कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। इस तरह के मांझे से बिजली के उपकरण व तार को भी नुकसान पहुंचता है। इससे दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) सहित बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) की चिंता बढ़ गई है। डीटीएल के साथ ही बीएसईएस और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के अधिकारियों ने लोगों से बिजली के खंभों, तार, ट्रांसफार्मर और अन्य उपकरणों के आसपास पतंग नहीं उड़ाने और जानलेवा मांझे के उपयोग से परहेज करने की अपील की है। डीटीएल अधिकारियों ने कहा कि धातु लेपित मांझा बिजली के तारों के संपर्क में आने से बिजली ट्रांसमिशन व वितरण दोनों बाधित होती है। करंट लगने का खतरा भी बना रहता है। डिस्काम अधिकारियों ने कहा, 11 केवी की एक लाइन ट्रिप होने से 25 सौ से अधिक और 66/33 केवी की एक लाइन ट्रिप होती है तो इससे 10 हजार से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति बाधित होती है। बिजली आपूर्ति में बाधा डालना अपराध है और कानून के तहत कार्रवाई हो सकती है। पतंगबाजी से बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने पर उसे ठीक करने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इंटरनेट मीडिया व अन्य साधनों से उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है।

9 फॉल्ट मैसेज और डोप टेस्ट... फुकेट-दिल्ली फ्लाइट हादसे में बड़ा ट्विस्ट, जांच में फ्रांस और एयरबस की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ 2379 में चार अगस्त को हुई गंभीर घटना की जांच अब और व्यापक हो गई है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआइबी) की जांच में फ्रांस की विमान दुर्घटना जांच एजेंसी ब्यूरो आफ इंक्वायरी एंड एनालिसिस (बीईए) भी शामिल हो गई है। इसके साथ ही विमान निर्माता कंपनी एयरबस के विशेषज्ञ भी जांच टीम को तकनीकी सहायता दे रहे हैं। एयरबस ने अपनी विशेषज्ञ टीम भेजी है, जो जांच अधिकारियों और एयरलाइन को आवश्यक तकनीकी सहयोग उपलब्ध करा रही है। इस घटना में विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था, जिसके कारण कई यात्री अपनी सीटों से उछलकर घायल हो गए। कुल 17 यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे की सटीक वजह अभी जांच का विषय है। शुरुआती तौर पर इसे टर्बुलेंस से जोड़कर देखा गया था, लेकिन अब तकनीकी खराबी से जुड़े पहलुओं की भी गहनता से जांच की जा रही है।

एक मिनट में आए नौ फाल्ट मैसेज : सूत्रों के अनुसार, विमान की आटोमेटेड पोस्ट-फ्लाइट मेंटेनेंस रिपोर्ट में उड़ान के करीब ढाई घंटे बाद हाइड्रोलिक और फ्लाइट-कंट्रोल सिस्टम से जुड़े कई फाल्ट मैसेज दर्ज हुए। बताया जा रहा है कि करीब एक मिनट के भीतर तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम से जुड़े अलग-अलग और संयुक्त रूप से नौ फाल्ट मैसेज सामने आए। एयरबस ए320 नियो में लाल, नीले और हरे रंग से पहचाने जाने वाले तीन स्वतंत्र हाइड्रोलिक सिस्टम होते हैं। ये विमान के ब्रेक, एलेवेटर और नोज-व्हील समेत कई महत्वपूर्ण नियंत्रणों को संचालित करने में मदद करते हैं। तीनों प्रणालियों से एक साथ जुड़ी गड़बड़ी की आशंका को जांच में महत्वपूर्ण तकनीकी पहलू माना जा रहा है।

ऑटोपायलट डिस्कनेक्ट होने और विमान के नीचे आने की भी जांच : सूत्रों के मुताबिक, तकनीकी गड़बड़ियों के बाद आटोपायलट डिस्कनेक्ट हुआ और विमान की नोज ऊपर उठने लगी। इसके बाद स्टाल वार्निंग सक्रिय होने की बात सामने आई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पायलटों ने मैनुअल कंट्रोल संभाला और विमान की नोज नीचे करने का प्रयास किया। इसी दौरान विमान तेजी से करीब 300 फीट नीचे आया। अचानक ऊंचाई कम होने से यात्रियों को जोरदार झटका लगा और कुछ यात्री सीटों से उछलकर घायल हो गए।

टर्बुलेंस के दावे से आगे बढ़ी जांच : घटना के शुरुआती दौर में इसे टर्बुलेंस से जोड़कर देखा गया था। हालांकि, बाद में सामने आई तकनीकी जानकारियों के बाद जांच का दायरा बढ़ गया है। एएआइबी इस बात की जांच कर रहा है कि उड़ान के दौरान विमान के सिस्टम में वास्तव में क्या गड़बड़ी हुई और उसका विमान के नियंत्रण पर कितना असर पड़ा। एयरबस विशेषज्ञों के जांच में शामिल होने से विमान के सिस्टम, मेंटेनेंस रिकॉर्ड और तकनीकी डेटा के विश्लेषण में भी मदद मिलने की उम्मीद है। अंतिम निष्कर्ष एएआइबी की विस्तृत जांच रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा।

पायलट की मेडिकल फिटनेस और डोप टेस्ट भी जांच के दायरे में : घटना के बाद कुछ यात्रियों की ओर से पायलट की सतर्कता और नशे की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। हालांकि, इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है और पायलट के डोप टेस्ट के अंतिम नतीजे सामने आना बाकी हैं। जांच एजेंसी तकनीकी पहलुओं के साथ काकपिट क्रू के सेफ्टी प्रोटोकाल, मेडिकल फिटनेस और निर्धारित अल्कोहल/डोप टेस्ट से जुड़े रिकॉर्ड की भी समीक्षा कर सकती है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि घटना के समय क्रू निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर रहा था या नहीं। डीजीसीए ने फ्लाइट क्रू, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और मेंटेनेंस स्टाफ के लिए रैंडम डोप टेस्ट की व्यवस्था लागू की है। इसके अलावा फ्लाइट क्रू के लिए प्री-फ्लाइट ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट भी अनिवार्य है। ऐसे में जांच में इनसे जुड़े रिकॉर्ड भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

अंतिम रिपोर्ट से ही साफ होगी हादसे की असली वजह : एआइ 2379 की घटना में फिलहाल तकनीकी खराबी, टर्बुलेंस और क्रू से जुड़े सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। फ्रांस की जांच एजेंसी और एयरबस विशेषज्ञों के शामिल होने से तकनीकी जांच को और मजबूती मिलेगी। हालांकि, विमान में आखिर किस वजह से अचानक ऊंचाई में इतनी तेजी से गिरावट आई और यात्रियों को चोटें लगीं, इसका अंतिम जवाब एएआइबी की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

कार चोरी की एफआईआर कराकर बीमा क्लेम मांगा, जांच में खुली दिल्ली के शख्स की पोल; हापुड़ से मिली स्वीफ्ट डिजायर

नई दिल्ली, एजेंसी। मालवीय नगर थाना क्षेत्र में बीमा क्लेम के लिए कार चोरी की फर्जी एफआइआर दर्ज कराने का मामला सामने आया है। चिराग दिल्ली के रहने वाले आरोपित ने अपनी स्विफ्ट डिजायर कार (डीएल 1 जेडए 2608) को हापुड़ में एक रिश्तेदार के यहां छिपा दी। फिर मालवीय नगर थाने में कार चोरी की एफआइआर दर्ज कराई और बीमा कंपनी में कार चोरी के क्लेम के लिए आवेदन कर दिया। कंपनी को शक होने पर अलग से जांच कराई तो चोरी का मामला ही फर्जी निकला। क्राइम ब्रांच के साथ मिलकर टीम ने हापुड़ से कार को बरामद की।

आरोपित ने नंबर प्लेट हटा रखी थी। वहीं जीपीएस ट्रैकिंग से बचने के लिए एंटीना और बैटरी भी निकाली थी। टीम ने इंजन व चेसिस नंबर से कार की पहचान की। आरोपित के खिलाफ मालवीय नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

क्या है पूरा मामला : शिकायत के मुताबिक आरोपित अमित कुमार ने 16 मई को अपनी सिल्वर कलर की कार चोरी होने सूचना थाने में दी। प्राथमिक पड़ताल करके कुल 38 दिन बाद यानी 22 जून को पुलिस ने एफआइआर दर्ज की।

अमित कुमार ने इस एफआइआर के माध्यम से श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी में चोरी का बीमा क्लेम किया। कंपनी के थेफ्ट क्लेम विभाग के असिस्टेंट मैनेजर वरुण सक्सेना ने जांच शुरू की तो घटना संदिग्ध लगी। उनकी टीम को वाहन हापुड़ के आयद नगर गांव में छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिली। टीम ने दक्षिणी दिल्ली क्राइम ब्रांच की मदद ली और छह अगस्त को आयद नगर पहुंची। गांव में आरोपित के एक रिश्तेदार के घर की पार्किंग में उक्त स्विफ्ट कार को बरामद किया, जो तिरपाल से ढंकी थी। बीमा कंपनी के अधिकृत वेंडर ने इंजन व चेसिस नंबर का सत्यापन कर वाहन की पहचान की। कार बरामद होने के बाद आरोपित अमित कुमार के खिलाफ बीमा कंपनी की ओर से मालवीय नगर थाने में शिकायत दी गई है। हालांकि पुलिस ने आरोपों की जांच के बाद एफआइआर दर्ज करने की बात कही है।

डिवाइस को नहीं मिल पाती बिजली : जीपीएस ट्रैकर से बचाने के लिए किसी वाहन या उपकरण से बैटरी और एंटीना हटाना सामान्य तरीका है। इससे डिवाइस को बिजली नहीं मिलती और सिग्नल भी सेटेलाइट तक नहीं पहुंच पाता है। वाहन चोर लोकेशन छिपाने और ट्रैक होने से बच निकलने के लिए इन तरीकों को इस्तेमाल करते हैं।

दिल्ली के वजीराबाद रोड पर जर्जर सड़क और गड्ढों से बढ़ रहा हादसों का खतरा, कारोबार भी हो रहा प्रभावित

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना विहार से भजनपुरा तक वजीराबाद रोड की सर्विस रोड से लेकर मुख्य मार्ग तक सड़क की हालत जर्जर बनी हुई है। कई जगह सड़क की परत उखड़ चुकी है और गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे हादसों का खतरा बना हुआ है। वहीं, सीवर लाइन समेत अन्य कार्यों के लिए की गई खोदाई के बाद कई हिस्सों को ठीक से समतल नहीं किया गया है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीक आवर में वाहनों की रफ्तार धीमी होने से जाम की स्थिति बन जाती है। लोगों का कहना है कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस सड़क के गड्ढे नहीं दिखाई देते। भजनपुरा निवासी ममता पांडेय ने बताया कि मुख्य मार्ग के साथ-साथ सर्विस रोड की भी लंबे समय से मरम्मत नहीं हुई है। कई स्थानों पर सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए बार-बार लेन बदलनी पड़ती है। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और जाम की स्थिति पैदा होती है। स्थानीय निवासी अनिल ने बताया कि सड़क की स्थायी मरम्मत कराने के बजाय अलग-अलग हिस्सों में बार-बार खोदाई की जा रही है। इससे समस्या कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। लोगों ने सर्विस रोड और मुख्य मार्ग दोनों की जल्द मरम्मत कराने तथा खोदाई के बाद सड़क को ठीक तरीके से बहाल करने की मांग की है।

जर्जर सड़क और जाम से कारोबार भी प्रभावित : वजीराबाद रोड की बदहाल स्थिति का असर आसपास के बाजारों के कारोबारियों पर भी पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदार विवेक कुमार ने बताया कि सड़क खराब होने और लगातार लगने वाले जाम के कारण ग्राहक बाजार तक आने से बच रहे हैं। दुकानदारों का दावा है कि पिछले तीन माह से ग्राहकों की संख्या में लगातार कमी आई है।व्यस्त समय में वाहनों की लंबी कतार लगने से दुकानों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। कई बार ग्राहक रास्ते में जाम देखकर दूसरे बाजारों का रुख कर लेते हैं। मामले में उत्तर-पूर्वी जिला विकास समिति के चेयरमैन जितेंद्र महाजन का कहना है।

दिल्ली में मानसून की 'सरप्लस' मेहरबानी, सामान्य से 27% ज्यादा बारिश से बना रिकॉर्ड; आगे कैसा रहेगा मौसम?

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मानसून इस बार अब तक सामान्य से अधिक सक्रिय दर्ज किया गया है। 1 जून से 9 अगस्त के बीच दिल्ली में 393.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो इस अवधि की सामान्य 309.5 मिलीमीटर बारिश से 27 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही दिल्ली के किसी भी जिले में अब बारिश की कमी नहीं है। चार जिले सामान्य से अधिक बारिश की श्रेणी में पहुंच गए हैं। मानसून के रिकॉर्ड के बीच मंगलवार की सुबह एनसीआर में बदली छाने के साथ हुई। हालांकि, उमस ने थोड़ा परेशान कर रखा है। दिल्ली में अगस्त की पूरी सामान्य बारिश 233.1 मिलीमीटर मानी जाती है। यह आंकड़ा भी 10 अगस्त को पार हो गया। सफदरजंग स्थित मौसम विभाग के आधार स्टेशन पर सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच 4 मिलीमीटर

बारिश दर्ज की गई। इसके बाद अगस्त में अब तक कुल 234.5 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। इस साल मानसून की शुरुआत में दिल्ली बारिश की कमी वाले क्षेत्र में थी। जून में बारिश सामान्य से कम रही, जबकि जुलाई में स्थिति सामान्य हो गई। अगस्त के शुरुआती दिनों में लगातार पांच दिन हुई तेज बारिश ने दिल्ली को अतिरिक्त बारिश वाले क्षेत्र में पहुंचा दिया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के जिलों में मध्य दिल्ली में सबसे अधिक बारिश हुई है। यहां 1 जून से 9 अगस्त के बीच 528.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 381.2 मिलीमीटर से 39 प्रतिशत अधिक है।

पश्चिमी दिल्ली में 434.3 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य 342.7 मिलीमीटर के मुकाबले 27 प्रतिशत अधिक है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली में भी क्रमशः 26 और 23 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। पांच जिले सामान्य बारिश की श्रेणी में हैं। इनमें दक्षिण दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तर-पूर्व दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली शामिल हैं। नई दिल्ली में सामान्य से 7 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। वहीं, प्रेस में जाने तक उत्तर दिल्ली का आंकड़ा उपलब्ध नहीं था। आईएमडी के मुताबिक, बारिश को सामान्य से 19 प्रतिशत तक कम या अधिक होने पर सामान्य श्रेणी में रखा जाता है। 20 से 59 प्रतिशत अधिक बारिश को अतिरिक्त और 60 प्रतिशत या उससे अधिक बारिश को अत्यधिक अतिरिक्त माना जाता है।

वहीं, सामान्य से 19 प्रतिशत से अधिक कमी होने पर इसे कमी वाली श्रेणी में रखा जाता है। इस मानसून सीजन में दिल्ली में अब तक तीन दिन भारी बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी के अनुसार 24 घंटे में 65.5 मिलीमीटर या उससे अधिक बारिश होने पर उसे भारी बारिश माना जाता है। दिल्ली में 9 जुलाई, 29 जुलाई और 8 अगस्त को ऐसी बारिश हुई। 8 अगस्त सीजन का सबसे भारी बारिश वाला दिन रहा, जब दिल्ली के कई इलाकों में 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। इससे पहले 9 जुलाई को सीजन की पहली व्यापक और तेज बारिश हुई थी।

पढ़ने में कमजोर बच्चों के लिए दिल्ली के स्कूलों में नई पहल, अब रोज 30 मिनट लगेगी रेडिंग पीरियड

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सरकारी स्कूलों में छठवीं, सातवीं और आठवीं तक पहुंचने के बाद भी कुछ बच्चे सामान्य पाठ पढ़ने में सक्षम नहीं हैं। स्कूल प्रधानाचार्यों के अनुसार, ऐसे बच्चों के लिए पढ़ना सीखना अब किसी अतिरिक्त कौशल का विषय नहीं, बल्कि उनकी आगे की पढ़ाई के लिए जरूरी बुनियादी क्षमता है।

इसी सीखने के अंतर को दूर करने के लिए शिक्षा निदेशालय ने अब स्कूलों में हर दिन 30 मिनट का रीडिंग पीरियड (पठन कक्षा) अनिवार्य किया है। अब तक कमजोर बच्चों की रीडिंग क्षमता सुधारने के लिए मिशन बुनियाद और निपुण जैसी

पहलों के तहत विशेष रूप से गर्मी की छुट्टियों में गतिविधियां कराई जाती रही हैं। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों पर ध्यान दिया जाता था, जो अपनी कक्षा के अपेक्षित स्तर के अनुसार पढ़ नहीं पा रहे थे। लेकिन स्कूल स्तर पर ऐसा कोई स्थायी और सभी बच्चों के लिए अनिवार्य रीडिंग स्लाट नहीं था, जिसे पूरे शैक्षणिक सत्र में नियमित रूप से चलाया जाए। कमजोर बच्चे ही नहीं, अब सभी पढ़ेंगे नई व्यवस्था में रीडिंग को सिर्फ कमजोर विद्यार्थियों के लिए सुधारात्मक गतिविधि रखने के बजाय पूरे स्कूल की नियमित शैक्षणिक गतिविधि बनाया गया है। यानी कक्षा में बच्चा पढ़ने में कमजोर हो या अच्छा, सभी विद्यार्थियों को रोजाना 30 मिनट पढ़ने का अवसर मिलेगा। इस दौरान मौन पठन, किताबों पर चर्चा और अन्य पठन गतिविधियां कराई जाएंगी। स्कूलों को रोजाना 10-15 मिनट का ड्राप एवरीथिंग एंड रीड सत्र कराने के लिए भी कहा गया है। इसके अलावा वर्षभर साप्ताहिक लाइब्रेरी पीरियड, जोर से पढ़कर सुनाने के सेशन, किताबों पर चर्चा, रीडिंग वाल, किताबों की समीक्षा, अखबार पढ़ना और समूह चर्चा जैसी गतिविधियां होंगी। गर्मी की छुट्टियों की कवायद से आगे बढ़ी पहल स्कूलों में पहले भी लाइब्रेरी और रीडिंग से जुड़ी गतिविधियां होती रही हैं। वहीं, मिशन बुनियाद और निपुण के तहत सीखने का स्तर से पीछे चल रहे बच्चों के लिए विशेष हस्तक्षेप भी किए जाते रहे हैं। लेकिन प्रधानाचार्यों के अनुभव के मुताबिक चुनौती यह है कि कुछ बच्चे माध्यमिक कक्षाओं तक पहुंचने के बाद भी धाराप्रवाह पढ़ नहीं पाते। ऐसे में केवल छुट्टियों में या किसी विशेष अभियान के दौरान रीडिंग कराने के बजाय इसे दैनिक स्कूल रूटीन का हिस्सा बनाने की जरूरत महसूस की गई।

राहुल गांधी अब क्यों भाग रहे हैं': किरेन रिजिजू बोले- अब संसद में अमित शाह का सामना करें नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि अब जब गृह मंत्री अमित शाह उनके द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हैं तो राहुल गांधी को संसद से नहीं भागना चाहिए।

किरेन रिजिजू की ये टिप्पणी हालिया छात्र प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर हुए हंगामे के बीच आई है। इस मुद्दे पर संसद के मानसून सत्र में जमकर हंगामा हुआ और विपक्ष ने सरकार को इस मुद्दे पर घेरा हुआ है। विपक्ष इस पर गृह मंत्री अमित शाह की प्रतिक्रिया चाहता है और गृह मंत्री के संसद सत्र में शामिल नहीं होने पर सवाल उठा रहा है। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'राहुल गांधी कई दिनों से अमित शाह से जवाब मांग रहे थे। अब जब गृह मंत्री हर मुद्दे का विस्तार से जवाब देने के लिए तैयार हैं तो उन्हें भागना नहीं चाहिए।'

राहुल गांधी ने अमित शाह को लेकर कही थी ये बात : इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी ने कहा था कि विपक्ष अमित शाह की राय सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता है और वह सिर्फ यह जानना चाहता है कि पुलिस की जंतर-मंतर पर कार्रवाई के पीछे कौन था। राहुल गांधी ने कहा, 'अमित शाह में संसद में आकर हमारे सामने खड़े होने का साहस नहीं है। पिछले 15 दिनों में उन्होंने यही दिखाया है। न तो नरेंद्र मोदी और न ही अमित शाह में हिम्मत है...किसी को उनकी राय में दिलचस्पी नहीं है। हम बस ये जानना चाहते हैं कि गोली चलाने का आदेश किसने दिया और अगर उन्होंने नहीं दिया तो गृह मंत्रालय में किसने दिया? हम समझना चाहते हैं कि क्या इसमें किसी की गलती है या अक्षमता?'

सरकार संसद में चर्चा के लिए तैयार : सोमवार को ही सरकार ने साफ कर दिया कि वे संसद में छात्र विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। विपक्ष की मांग को स्वीकार करते हुए सरकार ने इस पर सहमति दे दी है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में मौजूद रहकर विपक्ष के सवालों के जवाब देंगे। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष को सदन की कार्यवाही के दौरान हंगामा नहीं करना चाहिए।

अगले 5 दिन यूपी से राजस्थान तक खूब होगी बारिश, एपमी में घरों में घुसा पानी; महाराष्ट्र के लिए यलो अलर्ट जारी

जयपुर, लखनऊ, मुंबई, एजेंसी। भारत में मानसून की सक्रियता का एक और दौर देखने को मिल सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के कई हिस्सों में व्यापक बारिश का अनुमान लगाया है। मानसूनी सीजन के चलते देश में कई जगहों पर बाढ़ तो कहीं बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। नदियां उफान पर हैं और इनका पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। कई जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है तो कई जगहों पर तेज बारिश का यलो अलर्ट है।

मध्य प्रदेश में भी बढ़ा जैसे हालात बन गए हैं। नदियां उफान पर रहीं और कई रास्ते बंद हो गए। राजधानी भोपाल सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, यहां एक हजार से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित कई इलाकों में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। यहां 11 अगस्त और आने वाले दिनों के लिए भारत का मौसम का ताजा पूर्वानुमान दिया गया है।

आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका : आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी, पूर्वोत्तर और पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही कई राज्यों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है।

यूपी में नदियों में समाए घर : पहाड़ों पर हो रही जबरदस्त बारिश की वजह से उत्तर प्रदेश में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद और बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर से बह रहा है। 40 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं, फर्रुखाबाद में 25 घर गंगा नदी में समा गए। 11 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में हफ्ते के आखिर में बड़े पैमाने पर बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 14 और 15 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 से 15 अगस्त के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। 11 अगस्त को पूर्वी

उत्तर प्रदेश में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है और आने वाले दिनों में भी ऐसी गतिविधियां हो सकती हैं।

राजस्थान में अलर्ट : राजस्थान के 6 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि 17 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हड़ौती क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 12 इंच तक बारिश हुई। राजस्थान उन इलाकों में शामिल है जहां बहुत तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है और 11 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में भी 12 अगस्त को भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि 11 अगस्त को कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। 10 से 12 अगस्त के दौरान इस पूरे इलाके में अच्छी-खासी बारिश होने की उम्मीद है। 11 और 12 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान में भी भारी बारिश हो सकती है। साथ ही कुछ इलाकों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर का मौसम : 11 अगस्त को दिल्ली और हरियाणा में काफी बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है और 13 अगस्त को भी बारिश का एक और दौर आ सकता है। मौसम विभाग ने 11 अगस्त और फिर 13 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मानसून के एक्टिव दौर में राजधानी में आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की भी संभावना है। लोगों को अचानक तेज बारिश, जल-जमाव और ट्रैफिक में रुकावट को लेकर सतर्क रहना चाहिए। खासकर जब बारिश बहुत तेज हो। पश्चिमी हिमालयी इलाके में पूरे हफ्ते मौसम के नमी वाला रहने की उम्मीद है। 11 अगस्त से 16 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में काफी ज्यादा या हर जगह बारिश होने की संभावना है।

विदेशी नौकरी छोड़ी, दंडवत कांवड़ यात्रा कर रहा रमन

फरीदाबाद। आस्था और श्रद्धा का एक अनोखा उदाहरण फरीदाबाद के सरूरपुर गांव के 28 वर्षीय रमन ने पेश किया है। रमन हरिद्वार से दंडवत कांवड़ यात्रा करते हुए वृंदावन की ओर बढ़ रहे हैं। उसका उद्देश्य प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करना है। वह अपने साथ चार लीटर गंगाजल लेकर चल रहे हैं और वृंदावन पहुंचकर इसी गंगाजल से प्रेमानंद महाराज का अभिषेक करने की इच्छा रखते हैं। रमन ने बताया कि वह करीब पांच वर्षों तक जॉर्डन में एक एक्सपोर्ट कंपनी में कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत थे। वहां उन्हें लगभग 45 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता था। करीब तीन वर्ष पहले उसने प्रेमानंद महाराज के प्रवचन सुनने शुरू किए, जिससे उसका आध्यात्मिक झुकाव बढ़ता गया। जब उसे महाराज के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मिली तो उसने नौकरी छोड़कर भारत लौटने और उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए दंडवत कांवड़ यात्रा करने का संकल्प लिया। रमन की यह यात्रा 22 जुलाई से हरिद्वार से शुरू हुई थी। पूरी यात्रा में उसके दो भाई और तीन दोस्त लगातार उसके साथ चल रहे हैं। वे रमन की सुरक्षा, भोजन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का ध्यान रख रहे हैं ताकि वह बिना किसी बाधा के अपनी यात्रा पूरी कर सके। रमन ने बताया कि वह इससे पहले 12 बार सामान्य कांवड़ यात्रा कर चुका है, लेकिन दंडवत कांवड़ यात्रा पहली बार कर रहा है। उसका कहना है कि यह यात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि उसकी अटूट श्रद्धा और गुरु के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यात्रा के अनुभव साझा करते हुए रमन ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पुलिस और प्रशासन की ओर से बेहतर व्यवस्था मिली, जिससे यात्रा सुगम रही। हालांकि फरीदाबाद में भारी ट्रैफिक के कारण उसे आगे बढ़ने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके भोजन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का ध्यान रख रहे हैं ताकि वह बिना किसी बाधा के अपनी यात्रा पूरी कर सके। रमन ने बताया कि वह इससे पहले 12 बारबावजूद उसका उत्साह और विश्वास अडिग है। रमन का कहना है कि उसे विश्वास है कि उसकी यह तपस्या सफल होगी और वह जल्द ही वृंदावन पहुंचकर अपने संकल्प को पूरा करेगा।

निर्माणाधीन साइट में घुसने पर गार्ड से हुआ विवाद, हिरासत में आरोपी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन साइट पर तैनात एक गार्ड ने नाबालिग की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी गार्ड को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, नाबालिग समीर अक्सर निर्माणाधीन साइट में घुसने का प्रयास करता था। रविवार को इसी बात को लेकर समीर और साइट पर तैनात गार्ड के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर गार्ड ने समीर को गोली मार दी।

काशी में कांवड़ियों का उमड़ा सैलाब, विश्वनाथ धाम में चार लाख भक्तों ने किए दर्शन

वाराणसी। सावन का पहले सोमवार पर काशी विश्वनाथ धाम समेत जिले के सभी शिव मंदिरों व शिवालयों में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। विश्वनाथ धाम में भक्तों की लाइन एक दिन पहले ही लग गई थी। सोमवार की सुबह मंदिर में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। रविवार से ही चहुंओर बम बम भोले, हर हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। शिवधाम नगरी में कोई 50, कोई सौ किमी दूर से संकल्पित होकर आए कांवड़ियों का जत्था देवाधिदेव महादेव की भक्ति में लीन रहा। पहले सोमवार को दोपहर तक करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। यह संख्या अपने आप में एक रिकॉर्ड है, जो इस पवित्र महीने में मंदिर के प्रति भक्तों की अपार श्रद्धा को दर्शाती है। वहीं, यादव बंधुओं का जत्था भी जलाभिषेक के लिए गौरी केदारेश्वर महादेव से जलाभिषेक यात्रा निकाला। 40 हजार से अधिक यादव बंधु शामिल हुए। 17 किमी की जलाभिषेक यात्रा कर बाबा विश्वनाथ सहित नौ शिवालयों व देवालयों जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान गंगा स्नान और शिवालयों में दर्शन करने का सिलसिला भी चला। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए रविवार को गाजेबाजे के साथ कांवड़ियों का जत्था पहुंचने लगा। शाम ढलने के साथ ही गंगा स्नान कर कांवड़िया विश्वनाथ धाम में जाने वाले मार्गों पर लगे बैरिकेडिंग में पहुंचने लगे। कांवड़ लिए कतार में ही कोई सो रहा था तो कोई भजन कीर्तन करते रहे। वहीं, कोई मोबाइल पर भजन की रसधार में डूबा था। बीच-बीच में हर हर महादेव के जयघोष करते रहे। चंद्रवंशी गोप सेवा समिति के बैनर तले यादव बंधु 94वें वर्ष जलाभिषेक यात्रा परंपरानुसार सावन के पहले सोमवार को सुबह 7:30 बजे केदारघाट पर गौरी केदारेश्वर महादेव में जलाभिषेक कर शुरुआत किया। वह तिलभांडेश्वर महादेव, बड़ी शीतला मंदिर, अहिलेश्वर महादेव के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक किए। वह मणिकर्णिका घाट से जलभर कर पश्चिमी द्वार प्रवेश कर ढुंढ़ीराज गेट से श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में पहुंचे और जलाभिषेक कर मंदिर के चार नंबर गेट से बाहर निकले। इस बार भी 21 यादव बंधुओं को ही गर्भगृह में जलाभिषेक करने की अनुमति रही। इसके बाद महामृत्युंजय महादेव, त्रिलोचन महादेव, ओंकालेश्वर महादेव का जलाभिषेक करेंगे। लाटभैरव बाबा का अभिषेक कर यात्रा को विराम देंगे। शहर के विभिन्न मार्गों पर बने कांवड़िया शिविरों में रविवार की शाम तक कावड़ियों की भीड़ बढ़ गई। गाजेबाजे के साथ पहुंचे रहे थे। भजन कीर्तन कर शिव भक्ति में मगन रहे। चितरंजन पार्क, लक्सा, मंडुवाडीह, मैदागिन आदि इलाकों में शिविरों में कांवड़िए ठहरे थे। भोर में उठकर गंगा स्नान कर जलाभिषेक के लिए कतार में शामिल होंगे। सावन सोमवार पर जलाभिषेक करने के लिए पूर्वांचल के कई जिलों से कांवरिया शिवभक्तों का रेला रविवार को गंगा गोमती संगम पर स्नान कर मार्कंडेय महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर जल लेकर बाबा विश्वनाथ धाम व त्रिलोचन महादेव मंदिर रवाना होते रहे। हर हर महादेव अनुगुंज से पूरा इलाका शिवमय बना रहा। सुबह से ही कांवड़िया शिवभक्तों का रेला मार्कंडेय महादेव मंदिर पहुंचने लगा था। यहां पर सावन के रविवार, सोमवार व त्रयोदशी पर जलाभिषेक जलधारी से हो रहा है। मंदिर परिसर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था मुकम्मल की गई है।

सर्पदंश से किशोरी की मौत, 15 साल पहले सांप के डसने से ही मां की गई थी जान

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के मसूरी थाना क्षेत्र के बयाना गांव में रविवार रात एक 15 वर्षीय किशोरी की सर्पदंश से मौत हो गई। करीब 15 साल पहले इसी तरह की एक घटना में किशोरी की मां की भी जान चली गई थी। किशोरी की मौत से परिजनों का रो रोककर बुरा हाल है। पड़ोसी अरुण चंद्रा ने बताया कि रविवार की रात लगभग पौने नौ बजे कल्लू की बेटी साक्षी अपने घर में बर्तन धो रही थी। इसी दौरान एक काले रंग के सर्प ने उसे डस लिया। आनन-फानन में परिजनों ने साक्षी को बचाने के लिए कई अस्पतालों का चक्कर लगाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, किशोरी को बचाया नहीं जा सका। साक्षी की मां राखी की भी आज से लगभग 15 वर्ष पूर्व सर्पदंश से ही मौत हो गई थी। यह घटना परिवार पर विपत्ति का दोहरा वार साबित हुई है। एक ही परिवार में मां और बेटी की सर्पदंश से मौत की खबर से पूरे गांव में दुख की लहर दौड़ गई है। लोगों में सर्पदंश की घटनाओं को लेकर भय और चिंता का माहौल है।

आलीशान कोठी में महिमा की रहस्यमयी मौत, आखिरी कॉल बना जांच की सबसे बड़ी कड़ी

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद सेक्टर-14 स्थित एक कपड़े के कारोबारी की कोठी में काम करने वाली 15 वर्षीय घरेलू सहायिका महिमा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला है। घटना से ठीक पहले किशोरी ने अपने मंगेतर को फोन किया था और वह रो रही थी। मंगेतर ने तुरंत अपने ससुराल (महिमा के परिजनों) को फोन कर कहा कि जल्दी कोठी पर जाओ, महिमा रो रही है। जब परिजन बदहवास हालत में पहुंचे, तो किशोरी फंदे पर लटकी मिली। मूलरूप से यूपी के हरदोई की रहने वाली और बीपीटीपी पुल के पास झुग्गियों में रहने वाली कुसुमलता ने बताया कि वह लंबे समय से सेक्टर-14 के घरों में काम करती हैं। उनकी बेटी महिमा (15) पिछले करीब चार महीने से मकान नंबर 29 (कपड़ा कारोबारी की तीन मंजिला कोठी) में घरेलू सहायिका के तौर पर 24 घंटे रहकर काम कर रही थी। उसे रहने के लिए तीसरी मंजिल पर कमरा दिया गया था। रविवार को महिमा अपने घर आई हुई थी और शाम करीब चार बजे उसका भाई उसे बाइक से वापस कोठी छोड़कर गया था। परिजनों के मुताबिक, शाम को महिमा ने अपने मंगेतर को फोन किया और वह रो रही थी। घबराए मंगेतर ने तुरंत महिमा के परिवार को फोन कर कोठी पहुंचने को कहा। जब मां और अन्य परिजन पहुंचे तो महिमा के गले में फंदा लगा हुआ था, लेकिन उसके घुटने बिस्तर से सटे हुए थे। परिजनों ने तुरंत फंदा काटकर उसे बेड पर लिटाया और पुलिस को सूचना दी, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। महिमा की मां कुसुमलता और परिजनों ने आरोप लगाया है कि महिमा की हत्या की गई है और उन्हें मकान मालिक व उनकी पत्नी पर शक है। परिजनों का कहना है कि महिमा के गले में फंदा लगे होने के बावजूद बेड पर घुटनों के बल टिकी हुई थी, जो हत्या की ओर इशारा करता है। वहीं पुलिस का कहना है कि जब वे मौके पर पहुंचे, तब तक परिजनों ने शव को फंदे से नीचे उतारकर बेड पर लिटा दिया था। कोठी में महिमा के अलावा एक अन्य घरेलू सहायिका भी काम करती है। घटना के समय मकान मालिक परिवार सहित बाहर बताए जा रहे हैं। महिमा का परिवार उसकी शादी की तैयारियों में जुटा हुआ था। दो महीने पहले ही उसकी सगाई की गई थी। घटना से ठीक पहले महिमा ने फोन पर मंगेतर से क्या बात की और वह क्यों रो रही थी, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। परिजनों को भी बातचीत की पूरी जानकारी नहीं है। पुलिस ने सबूत के तौर पर किशोरी का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड और फोन की फॉरेंसिक जांच से मौत के कारणों का अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंचे और साक्ष्य एकत्र किए। शव को बीके नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवाया, जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है। फिलहाल शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और फॉरेंसिक जांच पूरी होने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी।

सबसे ज्यादा प्रदेश में हुई 134 मिमी बारिश

लखनऊ। दक्षिणी उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा लेकिन पश्चिमी यूपी में बारिश का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश से सटे उत्तर प्रदेश के इलाकों में बारिश के आसार अभी बने हुए हैं। पिछले 24 घंटों में संभल में सबसे ज्यादा 134 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं राजधानी लखनऊ में फिलहाल छिटपुट बारिश की ही संभावना है लेकिन सोमवार को अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले दो-तीन दिन मानसून का असर मुख्य रूप से दक्षिणी जिलों सोनभद्र, मिर्जापुर और चंदौली में रहेगा। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने आसार हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दक्षिणी पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर मध्य क्षोभमंडल तक विस्तृत चक्रवाती परिसंचरण का प्रभाव है। इसके चलते विशेषकर दक्षिणी यूपी में मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी। प्रदेश के 25 जिलों में सामान्य, 34 जिलों में सामान्य से कम और नौ जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई। शनिवार को सबसे ज्यादा 134 मिमी बारिश संभल में, बुलंदशहर में 110.4 मिमी, हमीरपुर में 93 मिमी बारिश दर्ज की गई। दक्षिणी यूपी में मानसूनी गतिविधियां अभी जारी रहेंगी। वहीं पश्चिमी यूपी में धीरे धीरे बारिश का असर कम हो रहा है।

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नहर के तेज बहाव में बहे दो कांवड़ियों के लिए देवदूत बने एसडीआरएफ जवान

मुरादनगर। गंगनहर में स्नान के दौरान तेज बहाव में बह रहे दो कांवड़ियों के लिए एसडीआरएफ के जवान देवदूत बन गए। जवानों ने अपनी जान की परवाह किए बिना नहर में छलांग लगाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। एसडीआरएफ जवानों की तत्परता और साहस से दो लोगों की जान बच गई। शनिवार को कांवड़ यात्रा के मद्देनजर गंगनहर पर एसडीआरएफ उत्तर प्रदेश की एफ दल, तृतीय टीम तैनात थी। इसी दौरान दिल्ली निवासी पवन सिंह और गोपाल शर्मा गंगनहर में स्नान करते समय अचानक तेज बहाव में बहने लगे। मौके पर तैनात जवानों ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तुरंत रेस्क्यू अभियान शुरू किया। आरक्षी विपिन कुमार और आरक्षी अमित अवस्थी ने बिना देर किए नहर में छलांग लगा दी। तेज बहाव के बीच दोनों जवान कांवड़ियों तक पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद पवन सिंह और गोपाल शर्मा को सुरक्षित बाहर निकालकर उनके साथियों को सौंप दिया। एसडीआरएफ के सेनानायक ने रेस्क्यू टीम के सभी सदस्यों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की है।

कपड़ा फैक्टरी की दीवार तोड़कर हजारों का माल चोरी

साहिबाबाद। लिंकरोड थानाक्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित कपड़ा फैक्टरी की दीवार तोड़कर हजारों का माल चोरी कर लिया। बताया जा रहा है कि चोर करीब 15 कॉटन कपड़े के रोल और कॉफी मशीन चोरी कर ले गए। वारदात सात अगस्त की देर रात हुई और आठ अगस्त की सुबह पता चला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। औद्योगिक क्षेत्र निवासी जितेंद्र चौधरी ने बताया कि उनके पड़ोस में दिल्ली के कृष्णा नगर निवासी विनोद जैन की कपड़ा फैक्टरी है। कुछ समय पहले ही सुरक्षा के लिहाज से विनोद जैन ने फैक्टरी के चारों तरफ दीवार खड़ी करवाई थी। बताया कि फैक्टरी में सुरक्षाकर्मी भी तैनात हैं और श्रमिक भी रहते हैं। चोरों ने वारदात के लिए फैक्टरी की पिछली दीवार को तोड़ा। करीब 10-15 कॉटन कपड़े के रोल और कॉफी मशीन आरोपी चुरा ले गए। शनिवार सुबह विनोद जैन ने उन्हें कॉल करके इसकी सूचना दी। बताया कि पहले भी करीब तीन-चार बार इस फैक्टरी में चोर घुस चुके हैं। हर बार पुलिस से शिकायत की है। वहीं कुछ दिन पहले ही लिंकरोड औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में कई ट्रकों से चोरों ने ईसीएम उपकरण चोरी कर लिए थे। एसीपी अमित सक्सेना ने बताया कि चोरी की सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना कर लिया है, लेकिन अभी शिकायत नहीं मिली है। उसके बाद ही कार्रवाई की जाएगी।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती अलमास बेगम पत्नी स्वर्गीय हिफजुर्रहमान निवासी= मकान नंबर 862, गली ताम्रा कण चांदनी महल दरियागंज नई दिल्ली 110002 की रहने वाली है जो एक 65 साल की वरिष्ठ और विधवा महिला है इनके बेटे फजल उर रहमान और फैज उर रहमान पुत्रगण स्वर्गीय हिफजुर्रहमान के बाहरी औरतों से नाजायज रिश्तों के कारण ये दोनों मेरी मुवक्किल से हिस्से की मांग करते है गाली गलौंच लड़ाई झगड़ा करते है और मेरी मुवक्किल पर जान लेवा हमला करते है उसको शारीरिक ,मानसिक और आर्थिक हानि पहुंचाते है हत्या का प्रयास करते है जिससे परेशान होकर मेरी मुवक्किल ने इनसे अपने सारे रिश्ते तोड़ कर इनको। अपनी चल अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है।

NAME CHANGE

I, Dinesh Goel S/O Om Prakash Goyal R/O 476, GF, Sector-14, Faridabad, Haryana 121007 Have Changed My Name to Dinesh Goyal for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as CHANDAN alias ABHISHEK S/o RADHEYSHYAM R/o Dighawat, Dighawat , Chandauli, Dighwat, Uttar Pradesh 232108. have changed my name and shall hereafter be known as ABHISHEK

NAME CHANGE

I, Pooja Goel W/O Dinesh Goyal R/O 476, GF, Sector-14, Faridabad, Haryana 121007 Have Changed My Name to Pooja Goyal for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Asha Rani alias Asha Sachdeva D/O Atm Prakash W/o Ramesh Sachdeva, R/O Flat No-32, Plot No-24/2, Star Apartments, Rohini Sector 9, Rohini Sector-7. Narela, North West Delhi, Delhi, 110085, have changed my name and shall hereafter be known as ASHA SACHDEVA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHAHRUKH KHAN, S/o SALIMUDDIN, R/o 121, Achheja Bujurg, Achhe Buzurg, Dankaur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203201, have changed my name and shall hereafter be known as IMRAN.

NAME CHANGE

It is for general information that I, PRADEEP KUMAR MISHRA S/O MANGLA PRASAD MISHRA R/O H.No-C-2/11, Gali No-9, Mukund Vihar, Karawal Nagar, DIST: North East, Delhi- 110094 declare that name of mine has been wrongly written as RAJU MISHRA in my driving licence no. DL05 20069157708. The actual name of mine is PRADEEP KUMAR MISHRA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I POOJA MAHENDRA SHARMA W/O MAHENDRA SUBHASH SHARMA R/O H-915,JALVAYU TOWERS, SECTOR-56, GURGAON, HARYANA-122011, HAVE CHANGED MY NAME TO POOJA SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, hitherto known as R P AGARWAL S/o SHRI BHAWANI PRASAD R/o KL-161, Kavi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002, have changed my name and shall hereafter be known as RAJENDRA PRASAD.

NAME CHANGE

I hitherto known as Panjabi Lal S/o Ratan Lal R/o H.No-24, JUNEHSA, Kurawali, Kuraoli, Mainpuri, Uttar Pradesh-205265 have changed my name and shall hereafter be known as Ram Prakash.

NAME CHANGE

Shashank Singh Anshul S/o Dilip Kumar Singh R/o House No. G-59 Lok-3 Sector 57 Gurgaon Haryana-122001 I have changed my Name To Shashank Singh For All Future Purposes

NAME CHANGE

I No. 14676657Y, Rank HAV, Name SARJEET SINGH, permanently residing at Village GAIRTPURBASS, Post – TEEKLI, Tehsil BADSHAPUR, Dist. GURGOAN, State HARYANA, PIN No. 122101, Unit 7012 EME BN, inform That I have changed my son name from KAPIL to KAPIL SINGH , both Name KAPIL and KAPIL SINGH pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I ,No. 14676657Y, Rank HAV, Name SARJEET SINGH, permanently residing at Village GAIRTPURBASS, Post – TEEKLI, Tehsil BADSHAPUR, Dist. GURGAON, State HARYANA, PIN No. 122101, Unit 7012 EME BN, inform That, I have changed my son name from MANJEET SINGH to MANJEET due to avoid future ambiguity in service records in the army. both Name MANJEET SINGH and MANJEET pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I No. 14676657Y, Rank HAV, Name SARJEET SINGH, permanently residing at Village GAIRTPURBASS, Post ,TEEKLI, Tehsil BADSHAPUR, Dist. GURGAON, State HARYANA, PIN No. 122101, Unit 7012 EME BN, inform That, I have changed my daughter name from ISHU to PRIYA , both Name ISHU and PRIYA pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I ,MAYA is legally SPOUSE of No. 14676657Y, Rank HAV, Name SARJEET SINGH, presently residing at Village GAIRTPURBASS, Post – TEEKLI, Tehsil BADSHAPUR, GURGAON, STATE HARYANA, PIN No. 122101, Unit 7012 EME BN, inform that I have changed my name from MAYA to MAYA DEVI & 02-05-1986 to 20-03-1988, both Name MAYA and MAYA DEVI & 02-05-1986 and 20-03-1988 pertain to one and the same person.

NAME CHANGE

I, Tarvinder Singh, S/O Surender Singh Sethi, G-13/45, Sector -15 Rohini, North West Delhi, Pin: 110089 Have Changed My Name To Tarvinder Singh Sethi For All Future Purposes.....

NAME CHANGE

I Yunish khan S/o Imamudin R/o H.no 1652, Gali no 17b, Near Naya Gaon, Krishna Kunj, Bhondsi, Gurugram, Haryana, 122102. Have changed my name to Yunus Khan for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Sonika, W/O Amit Kohli, B-2B/307 Second floor, Janakpuri, B-1. Dist: West Delhi, Pin 110058 Have Changed My Name To Sonika Kohli For All the Purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as MOBARIK HASSAN S/O TARABUDIN R/O VTC : Asharfabad, PO : Asarfabad Thal, Baraut, Dist- Baghpat Uttar Pradesh-250623 have changed my name and shall hereafter be known as MUBARAK HASAN.

NAME CHANGE

I SUNAYANA W/O ANIL HASIJA R/O. 75 STREET NO-1 SHASTRI PARK CHANDER NAGAR DELHI-110051 have changed my name to SUNAINA HASIJA for all future purposes.

NAME CHANGE

I MUNIBA W/O ABDUL SAQIB R/O. H NO-3874-3879 4TH FLOOR SARAK PREM NARAIN CHURIWALAN DELHI-110006 have changed my name to MUNEEBA PARVEEN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, D TARUN TEJA son of NO-14656015H Rank-HAV Name-DANDU RAMANA residing at H NO-2-39/5/10, SREE LAKSHMI COLONY, PHASE-03, LOTUS HOMES, AHMADGUDA, KEESARA MANDAL, MEDCHAL -MALKAJGIRI, TELANGANA-501301, have changed my name D TARUN TEJA to DANDU TARUNTEJA for all future purposes vide Affidavit Dated 11/08/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-14656015H Rank-HAV Name-DANDU RAMANA is legal father of D SANJAY residing at H NO-2-39/5/10, SREE LAKSHMI COLONY, PHASE-03, LOTUS HOMES, AHMADGUDA, KEESARA MANDAL, MEDCHAL -MALKAJGIRI, TELANGANA-501301, have changed my minor son's name from D SANJAY to DANDU SANJAY for all future purposes vide Affidavit dated 11/08/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, PREMJEET SINGH NIJJAR S/o GURMAIJIT SINGH residing at J-48, SAKET, SOUTH DELHI, DELHI-110017, have changed my name from PREMJEET SINGH to PREMJEET SINGH NIJJAR.

NAME CHANGE

I SUKHDEEP S/O AMAR SINGH R/O A-43 DAKSHIN PURI DR AMBEDKAR NAGAR DELHI 110062 have changed my name to SUKHDEEP SINGH Permanently for all future

NAME CHANGE

I SYED MOHAMMAD ABDUS SAMAD S/O SYED MOHAMMAD MAHMOOD R/O B-3 B BLOCK AGAR NAGAR PREM NAGAR -3 KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI -110086 have changed my name to SM ABDUS SAMAD Permanently for all future

NAME CHANGE

I, SARODE VIKRAM VITHOBA, is legally father of Army No. 2820783Y, Rank - NK, Name - SARODE AKASH VIKRAM, presently residing at Vill - Ralegan Therpal, Post - Ralegan Therpal, Teh - Parner, Dist - Ahilyanagar, State - Maharashtra, Pin - 414306, have changed my name from SARODE VIKRAM VITHOBA to VIKRAM VITHOBA SARODE and date of birth from 01/06/1973 for all future purposes. Vide affidavit dated 11/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, Pankaj Kumar Sharma S/O Raghubir Saran Sharma R/O House N S I -58, PNB Bank, Shastri Nagar Ghaziabad,Kavi Nagar, Uttar Pradesh -201002, have changed the name of my minor Son Saksham Sharma aged 14 years and he shall hereafter be known as Romit Sharma

NAME CHANGE

I, CHHAYA, is legally mother of Army No. 2820783Y, Rank - NK, Name - SARODE AKASH VIKRAM, presently residing at Vill - Ralegan Therpal, Post - Ralegan Therpal, Teh - Parner, Dist - Ahilyanagar, State - Maharashtra, Pin - 414306, have changed my name from CHHAYA to CHHAYA VIKRAM SARODE and date of birth from 01/06/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 11/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHELKE KASHINATH, is legally father of Army No. 2824145X, Rank - SEP, Name - SHELKE GANESH KASHINATH, presently residing at Vill - Kelgaon, Post - Kelgaon, Teh - Sillod, Dist - Aurangabad, State - Maharashtra, Pin - 431112, have changed my name from SHELKE KASHINATH to SHELKE KASHINATH BARKU for all future purposes. Vide affidavit dated 11/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, SANGITABAI, is legally mother of Army No. 2824145X, Rank - SEP, Name - SHELKE GANESH KASHINATH, presently residing at Vill - Kelgaon, Post - Kelgaon, Teh - Sillod, Dist - Aurangabad, State - Maharashtra, Pin - 431112, have changed my name from SANGITABAI to SANGITABAI KASHINATH SHELKE for all future purposes. Vide affidavit dated 11/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, KASHIF JAMAL, S/o Mr. JAMAL AHMAD, R/o A-198, GALI No.9. CHAUHAN BANGAR. NEW SEELAMPUR, Delhi-110053 have changed my name from KASHIF JAMAAL to KASHIF JAMAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I, EZAJUDDIN R/O. B-251/A, GALI NO-13/8, NEAR, MOMEEN CHOWK, SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA, SEELAMPUR, DELHI-110053. have changed my name to IJAZ UDDIN SAIFI.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD DANISH S/o MOHAMMED HAFEEZ R/o H.No.886F, Street No.30/5, Jafrabad, Delhi-110053 have changed my name to DANISH ABBASI.

NAME CHANGE

I hitherto known as SHAZIA ASAD, wife of ASAD KHAN, resident of 2568, Kucha Tara Chand, Darya Ganj, New Delhi - 110002, inform that my old name in all my identity and official documents is SHAZIA KAMAL. I have permanently changed my name to Shazia Asad after my marriage. Both names belong to me, and henceforth I shall be known exclusively as SHAZIA ASAD for all legal and future purposes.

NAME CHANGE

I, NITU W/O KRISHAN KUMAR R/O 654,GALI GHOSIYAN MAIN,NAJAFGARH,SOUTH WEST DELHI,DELHI-110043 DECLARE THAT RITU JANGRA (NAME MENTION IN MY DAUGHTER'S MATRICULATION CERTIFICATE) IS SAME PERSON i.e.my self. In future I shall be known as NITU for all future purposes.

NAME CHANGE

I, BHUPENDER BISHT S/O. BHAGAT SINGH BISHT R/O. H NO-4146, GALI-14, SHYAM COLONY PART-B, SEHATPUR, AMARNAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121003. have changed my name to BHUPENDER SINGH BISHT.

NAME CHANGE

I, SABANA R/O. B-251/A, GALI NO-13/8, NEAR, MOMEEN CHOWK, SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA, SEELAMPUR, DELHI-110053. have changed my name to SHABANA SAIFI.

NAME CHANGE

I, EZAJUDDIN R/O. B-251/A, GALI NO-13/8, NEAR, MOMEEN CHOWK, SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA, SEELAMPUR, DELHI-110053. have changed my name to IJAZ UDDIN SAIFI.

NAME CHANGE

I, RAMMA KAPUR W/o RAMAN KAPUR R/o Flat No B-707, Indraprastha Villa, Plot No E 8A, Sector-61, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301, have changed the name of my minor Daughter GANIKA KAPUR aged 13 Years and she shall hereafter be known as GINNI KAPUR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, KM MOHANI W/O BANSHIDHAR R/O 21/3 RAILWAY COLONY KISHANGAN

चंडीगढ़ में सरकारी मकानों पर 31 अगस्त तक जमा होंगे रूफटॉप सोलर अंडरटेकिंग फॉर्म

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ प्रशासन ने सरकारी मकानों में रहने वाले कर्मचारियों के लिए रूफटॉप सोलर ऊर्जा प्रणाली के उपयोग से संबंधित विकल्प/अंडरटेकिंग फॉर्म देने की समय-सीमा बढ़ा दी है। प्रशासन द्वारा आवंटित सरकारी मकानों में रहने वाले हरियाणा सरकार के कर्मचारी अब अपना विकल्प/अंडरटेकिंग फॉर्म 31 अगस्त, 2026 तक जमा करा सकेंगे। हाउस अलॉटमेंट कमेटी ने स्पष्ट किया है कि यदि 31 अगस्त, 2026 तक किसी कर्मचारी का अंडरटेकिंग फार्म प्राप्त नहीं होता है, तो यह मान लिया जाएगा कि संबंधित कर्मचारी ने रूफटॉप सोलर ऊर्जा सुविधा के उपयोग के लिए अपनी सहमति प्रदान नहीं की है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की पहल के तहत सरकारी आवासीय भवनों में रूफटॉप सोलर प्रणाली की शत-प्रतिशत स्थापना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार, सोलर उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर चार्जेज) के संबंध में सरकारी कर्मचारियों से प्राप्त प्रतिवेदनों के बाद यह प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके तहत कर्मचारियों को अंडरटेकिंग फॉर्म में निर्धारित विकल्पों में से एक का चयन करना होगा।

मतदाता सूचियों में गलतियां ठीक कराने को 8.91 लाख नोटिस जारी

चंडीगढ़। हरियाणा की मतदाता सूचियों में गलतियों को सुधारने के लिए चुनाव आयोग की तरफ से राज्य के आठ लाख 91 हजार मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। मतदाता इन खामियों को सुधारने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। हरियाणा में मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान 44 लाख 83 हजार 676 मतदाताओं के विवरण में नाम, पिता/पति के नाम अथवा रिश्ते से संबंधित कमियां सामने आई हैं। सभी मतदाताओं को अपने मतदाता पहचान पत्रों में सुधार के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया गया है। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने प्रदेश के सभी उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। जिलेवार आंकड़ों के अनुसार, फरीदाबाद में सबसे अधिक 6,83,647 मतदाताओं के रिकार्ड में ऐसी कमियां मिली हैं। यहां सभी के लिए नोटिस जनरेट किए गए हैं, जबकि 55,733 नोटिस वितरित हो चुके हैं। इसके बाद हिसार में 2,83,747, सोनीपत में 2,82,239, करनाल में 2,68,827, पानीपत में 2,30,273 और जींद में 1,97,588 मतदाताओं के रिकार्ड में सुधार की जरूरत सामने आई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पेनांग के उपमुख्यमंत्री से की मुलाकात

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से हरियाणा निवास में मलेशिया के पेनांग के उपमुख्यमंत्री जगदीप सिंह देव ने मुलाकात की। इस दौरान हरियाणा और पेनांग के बीच निवेश, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, रोजगार तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान पेनांग के उपमुख्यमंत्री जगदीप सिंह देव ने अपनी सिख और पंजाबी विरासत का उल्लेख करते हुए इस क्षेत्र के साथ अपने विशेष जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सितंबर में पेनांग में एक प्रमुख ऐतिहासिक गुरुद्वारे के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया। पेनांग के उपमुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रौद्योगिकी आधारित निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई पीढ़ी के उद्योगों के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगर निकाय कर्मचारियों की हड़ताल पर रोहतक में होगा फैसला

चंडीगढ़। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा और हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की तीन दिवसीय हड़ताल को आगे बढ़ाने और आंदोलन तेज करने पर मंगलवार को निर्णायक फैसला होगा। दोनों संगठनों की संयुक्त राज्य कार्यकारिणी की बैठक 11 अगस्त को कर्मचारी भवन रोहतक में बुलाई गई है। इसमें आगामी आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने दावा किया कि प्रदेश के 83 निकायों और अग्निशमन विभाग के 103 दमकल केंद्रों में करीब 50 हजार कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इससे सफाई, सीवर, पार्क, स्ट्रीट लाइट समेत विभिन्न जनसेवाएं प्रभावित हुई हैं और निकाय कार्यालयों का कामकाज भी बाधित हुआ है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि 13 मई को सरकार के साथ हुए समझौते में 17 मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन इन्हें लागू नहीं किया गया।

हरियाणा की नई उड़ान : 15 लाख एमएसएमई बनेंगे आर्थिक विकास के नए इंजन

- पांच वर्षीय रोडमैप का लक्ष्य 55,000 करोड़ रुपये से अधिक का विनिर्माण निवेश
- पांच लाख नए रोजगार और 2031 तक निर्यात को दोगुना करना

एजेंसी

करनाल। हरियाणा के सातवें दशक में प्रवेश के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य के 15 लाख एमएसएमई (सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों) को आर्थिक विकास के अगले चरण का प्रमुख आधार बनाने का लक्ष्य रखा है। सरकार ने इसके लिए हरियाणा प्रगतिशील एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति-2026के तहत पांच वर्ष का रोडमैप तैयार किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करनाल में हरियाणा प्रगतिशील एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति-2026 नीति को लॉन्च किया। इसका लक्ष्य55,000करोड़ रुपये से अधिक का विनिर्माण निवेश आकर्षित करना, 5लाख से अधिक नए रोजगार पैदा करना और वर्ष2031तक हरियाणा के निर्यात को दोगुना करना है। नीति में वित्त, औद्योगिक ढांचा, तकनीक, नवाचार, निर्यात, स्थिरता और कौशल विकास सहित 60 महत्वपूर्ण पहल शामिल की गई हैं। सरकार का जोर केवल नए उद्योग लगाने पर नहीं, बल्कि पहले से चल रहे उद्योगों को बढ़ाने, आधुनिक बनाने और देश-विदेश के बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाने पर भी है। नीति के तहत समर्पित एमएसएमई निदेशालय स्थापित किया जाएगा। इसका

उद्देश्य राज्य के विशाल एमएसएमई क्षेत्र को एक जगह से संस्थागत सहायता देना और उद्योगों के विकास के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार करना है। यह निदेशालय निवेश,नई तकनीक अपनाने,वित्त तक पहुंच,बुनियादी ढांचे और बाजार उपलब्ध कराने में एमएसएमई की मदद करेगा। नई नीति का फोकस केवल नए उद्योग शुरू कराने तक सीमित नहीं है। मौजूदा उद्योगों के विस्तार,आधुनिकीकरण और मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठने के लिए भी सहायता दी जाएगी। हरियाणा उद्यम विकास मिशन के तहत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में एमएसएमई को पूंजी निवेश सब्सिडी,ब्याज सब्सिडी,स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति, रोजगार सृजन सहायता, बीमा सहायता तथा परीक्षण, स्वचालन,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अनुसंधान एवं विकास के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। वित्त तक पहुंच आसान बनाने और बिना जमानत ऋण को बढ़ावा देने के लिए राज्य वेंचर कैपिटल फंड और सेक्टोरल क्रेडिट गारंटी फंड भी प्रस्तावित किए गए हैं। हरियाणा के सातवें दशक में प्रवेश के साथ शुरू किया गया यह 60 पहलों वाला पांच वर्षीय रोडमैप राज्य में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योगों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 55,000 करोड़ रुपये से अधिक का विनिर्माण निवेश, 5 लाख से अधिक नए रोजगार और 2031 तक निर्यात को दोगुना करना है। इसके माध्यम से हरियाणा को एक मजबूत विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने तथा विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य में राज्य की भूमिका को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उद्योगों को सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने के लिए एआई आधारित बहुभाषी 'हरियाणा उद्योग साथी' भी लॉन्च किया है।

हरियाणा में शुरू होगी डिजिटल उर्वरक बिक्री प्रणाली

पायलट प्रोजेक्ट के लिए महेंद्रगढ़ और कैथल का चयन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में सब्सिडी वाले उर्वरकों की डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी वितरण व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए महेंद्रगढ़ और कैथल जिलों का पायलट प्रोजेक्ट के लिए चयन किया है। इस व्यवस्था के तहत किसान डिजिटल माध्यम से उर्वरकों की अग्रिम बुकिंग कर सकेंगे और निर्धारित प्रक्रिया के तहत अधिकृत बिक्री केंद्र से उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। इन दो जिलों में पायलट के सफल परीक्षण के बाद इसे राज्य के अन्य जिलों में लागू करने पर विचार किया जाएगा। यह निर्णय आज यहां मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर उपलब्ध किसानों की खेती संबंधी जानकारी को किसान रजिस्ट्री से जोड़ने की प्रस्तावित व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। प्रस्तावित

उर्वरक बिक्री व्यवस्था के तहत किसानों को अपनी उर्वरक सम्बन्धी आवश्यकता की अग्रिम जानकारी डिजिटल प्लेटफार्म पर देनी होगी। इसके माध्यम से किसान अपनी पसंद का अधिकृत उर्वरक बिक्री केंद्र भी चुन सकेंगे। बुकिंग स्वीकृत होने के बाद उन्हें क्यूआर कोड या टोकन के माध्यम से संबंधित बिक्री केंद्र से उर्वरक प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। इससे किसानों को पहले से उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी और सरकार को उर्वरक की मांग का अग्रिम आकलन कर आपूर्ति की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार ने बताया कि उर्वरकों की आवश्यकता का आकलन किसान द्वारा घोषित फसल और खेती के क्षेत्र के आधार पर किया जाएगा। किसान निर्धारित मानकों के अनुसार अनुशंसित मात्रा अथवा उससे कम मात्रा के लिए आवेदन कर सकेंगे।

हरियाणा में ऊर्जा मंत्री से बैठक के बाद बिजली कर्मियों की हड़ताल टली

सरकार ने दिया मांगों के समाधान का भरोसा | ऊर्जा मंत्री अनिल विज के साथ बैठक में बनी सहमति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा बिजली विभाग में पैरेलल लाइसेंस, एग्री डिस्कॉम और स्मार्ट मीटरिंग समेत कर्मचारियों की मांगों पर जल्द ठोस कार्रवाई करने का आश्वासन दिए जाने के बाद बिजली कर्मियों ने 11 अगस्त से शुरू होने वाली हड़ताल को टाल दिया है।बिजली कर्मियों ने यह फैसला ऊर्जा मंत्री अनिल विज के साथ कई घंटे की मैराथन बैठक के बाद लिया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में बिजली कर्मचारी यूनियन ने निजीकरण का विरोध किया। वहीं, बिजली कर्मियों की मांगों को भी प्रमुखता से उठाया।

बिजली कर्मचारियों और ऊर्जा मंत्री अनिल विज के बीच हुई वार्ता में हर मुद्दे पर चर्चा हुई। कर्मचारियों ने सरकार को मांगों को पूरा करने का दो महीने का समय दिया। बैठक में सरकार की ओर से कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का

भरोसा दिलाया गया। बैठक के बाद ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बिजली कर्मचारियों के साथ बातचीत बहुत अच्छे और सकारात्मक माहौल में हुई। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की प्रमुख चिंता बिजली क्षेत्र के निजीकरण को लेकर थी। सरकार ने स्पष्ट किया कि निजीकरण से जुड़े मुद्दे पर उसने भी हरियाणा विद्युत नियामक आयोग में अपना विरोध दर्ज कराया है। विज ने बताया कि कर्मचारियों की कुछ मांगें अभी लंबित रखी गई हैं, जिनका अध्ययन किया जाएगा। रिस्क अलाउंस के मुद्दे पर सरकार ने सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है और इसके लिए एक कमेटी गठित की जा रही है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने किया एमएसएमई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 का विमोचन

उद्योगों को प्रोत्साहन के लिए एमएसएमई निदेशालय का गठन | ग्रीन इंवेस्टमेंट फंड से पर्यावरण सरंक्षण को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास के 60 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करनाल में हरियाणा प्रोग्रेसिव एमएसएमई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 का विमोचन किया।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के उद्यमियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा अपनी विकास यात्रा के सातवें दशक में प्रवेश कर रहा है। यह अवसर प्रदेश की छह दशकों की विकास यात्रा को याद करने के साथ-साथ भविष्य के लिए नए संकल्प लेने का भी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने उद्यमशीलता के बल पर देश की अग्रणी विनिर्माण

अर्थव्यवस्थाओं में अपनी पहचान बनाई है और अब प्रदेश को औद्योगिक विकास के अगले चरण की ओर ले जाने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसी भी राज्य की वास्तविक ताकत वहां के उद्यमियों से बनती है, जो अपने सपनों को उद्योग, परिश्रम को उत्पादन और साहस को रोजगार में बदलते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि उद्यमियों को ऐसा वातावरण मिले,जहां उन्हें अपने व्यवसाय को स्थापित करने,विस्तार देने और आगे बढ़ाने के लिए विश्वास और बेहतर अवसर प्राप्त हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रोग्रेसिव एमएसएमई एवं एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र को नई दिशा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नीति के माध्यम से उद्यमियों के लिए वित्त, औद्योगिक अवसंरचना, तकनीक, निर्यात, कौशल और बाजार तक पहुंच को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा औद्योगिक एवं कारोबारी पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जहां नवाचार को प्रोत्साहन मिले, नए उद्यम स्थापित हों और रोजगार के अवसरों का विस्तार हो।

प्रधानमंत्री से मुलाकात का मतलब अकाली दल से गठबंधन नहीं: नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन की संभावनाओं को खारिज करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री से मुलाकात का अर्थ गठबंधन नहीं है। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश के हैं। अकाली दल पंजाब की प्रमुख पार्टी है। सुखबीर बादल ने पंजाब के हितों की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री से मुलाकात करके पंजाब की समस्याओं पर बात की है। इसका यह अर्थ नहीं है कि पंजाब में भाजपा का अकाली दल के साथ गठबंधन होगा। भारतीय जनता पार्टी पंजाब की जनता के साथ गठबंधन कर चुकी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तंज कसते हुए कहा कि पंजाब की जनता से किए वादे पूरे करने में नाकाम रहे पंजाब के मुख्यमंत्री अब हरियाणा की चिंता कर रहे हैं। अब तो भगवंत मान को सपने में भी हरियाणा का मुख्यमंत्री दिखाई देता है। पंजाब के मुख्यमंत्री को पहले पंजाब की जनता से किए गए वादों का हिसाब देना चाहिए और बताना चाहिए कि उनमें से कितने वादे पूरे किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन आज पंजाब के लोग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब चुनाव नजदीक आने पर जनता को फिर से गुमराह करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बेटियों और बहनों के लिए विशेष भावनाओं से जुड़ा पर्व है तीज का त्योहार : सुमन सैनी

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने हरियाली तीज महोत्सव में लिया हिस्सा, हमारी लोक-संस्कृति, परंपराओं, प्रकृति और नारी शक्ति का उत्सव है हरियाली तीज, उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने झूला झूला और हरियाली तीज की दी हार्दिक शुभकामनाएं।

एजेंसी

लाडवा: हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि तीज हरियाणा की बेटियों और बहनों के लिए विशेष भावनाओं से जुड़ा पर्व है। यह पर्व उन्हें अपनी सखियों और परिवार के साथ खुशियां बांटने, अपनी लोक परंपराओं से जुडने और अपने मन की भावनाओं को गीतों और उत्सव के माध्यम से व्यक्त करने का अवसर देता है। तीज में पीहर से आने वाली कोथली के रूप में बेटी को मा का प्यार मिलता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं लागू करके उन्हें

लाभान्वित किया है, इनमें दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना एक है। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी गत्त दिवस देर सायं शुगनी देवी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाडवा में वामन द्वादशी मेला समिति द्वारा आयोजित हरियाली तीज महोत्सव कार्यक्रम में बोल रही थी। उपाध्यक्षा सुमन सैनी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने झूला झूला और हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि आज हरियाली तीज के इस सुंदर अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी और गर्व की अनुभूति हो रही है। चारों ओर हरियाली, उत्सव का माहौल, महिलाओं के चेहरों पर खुशी और बच्चों की चहक- यह वातावरण अपने आप में हमारी समृद्ध संस्कृति और हमारी सुंदर परंपराओं की पहचान है।

हरियाली तीज केवल एक त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमारी लोक- संस्कृति, हमारी परंपराओं, प्रकृति और नारी शक्ति का उत्सव है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती अपनी मेहनत, अपनी सादगी और अपनी समृद्ध लोक-संस्कृति के लिए जानी जाती है। यहां त्योहार केवल मनाए नहीं जाते, बल्कि उन्हें पूरी आत्मीयता और उत्साह के साथ जिया जाता है।

महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व, वंचित समाज को सामाजिक न्याय और युवाओं से डिजिटल संवाद भाजपा की प्राथमिकता : डॉ. अर्चना गुप्ता

पानीपत में भाजपा का संगठनात्मक मंथन, अनुसूचित जाति मोर्चा, महिला मोर्चा और आईटी-सोशल मीडिया विभाग की प्रदेश स्तरीय बैठकों में बनी आगामी रणनीति

- बूथ से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक समाज के हर वर्ग से सीधा संवाद मजबूत करेगी भाजपा : डॉ. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

पानीपत। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा ने संगठन को समाज के प्रत्येक वर्ग से और मजबूती से जोड़ने तथा बदलते दौर के अनुरूप जनसंवाद को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में व्यापक संगठनात्मक मंथन किया। पानीपत स्थित भाजपा जिला कार्यालय 'श्याम कमल' में अनुसूचित जाति मोर्चा, महिला मोर्चा तथा आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग की अलग-अलग प्रदेश स्तरीय बैठकें आयोजित हुईं। तीनों बैठकों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और

जनसंपर्क की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व, वंचित समाज को सामाजिक न्याय और देश की युवा पीढ़ी से आधुनिक माध्यमों के जरिए सीधा संवाद भाजपा की कार्यसंस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता है, जो बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच निरंतर सक्रिय रहता है। अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक में सामाजिक समरसता, संगठन विस्तार और अनुसूचित समाज के बीच संपर्क को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गरीब, वंचित और अनुसूचित समाज को सम्मान, अवसर और सामाजिक न्याय देना सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और यात्राओं के माध्यम से सामाजिक समरसता और संत रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। महिला मोर्चा की बैठक में संगठन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, बूथ स्तर तक संपर्क मजबूत करने और केंद्र व प्रदेश सरकार की महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने पर मंथन हुआ।

त्रुटिरहित मतदाता सूची के लिए सहयोग करें नागरिक : डीसी वर्षा खांगवाल

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला में एसआईआर-2026 की प्रक्रिया जारी है। 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र युवाओं के वोट बनवाने के लिए 16 से 20 अगस्त तक उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे, जहां पात्र युवा फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवा सकेंगे। लघु सचिवालय में एसआईआर-2026 के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए डीसी ने अधिकारियों और बीएलओ को दावे एवं आपत्तियों का निर्धारित समय में निपटारा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मतदाताओं से प्रारूप फोटोयुक्त मतदाता सूची में अपना नाम, पता व अन्य विवरण जांचने की अपील की। उन्होंने बताया कि नाम जुड़वाने अथवा किसी त्रुटि के संबंध में 30 अगस्त 2026 तक संबंधित बीएलओ के माध्यम से दावा या आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। नाम नहीं होने पर फॉर्म-6 और विवरण में सुधार के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। दावे-आपत्तियों का निपटारा 28 सितंबर तक तथा अंतिम मतदाता सूची 3 अक्टूबर को प्रकाशित होगी। डीसी ने झज्जर, बेरी, बादली और बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं से विशेष रूप से अपना नाम व विवरण जांचने की अपील की। एसडीएम झज्जर रवि मीणा, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, एसडीएम बादली विशाल, सीटीएम रितु, निर्वाचन उपतहसीलदार कुलदीप सहित सभी ईआरओ व एईआरओ मौजूद रहे।

सोने का भाव 1600 चढ़ा, चांदी में भी 3132 रुपए की तेजी

सोना 1,54,699 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 2,41,999 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता के माहौल के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने में अपनी दिलचस्पी बढ़ाई है। इसमें खासकर चीन के संस्थागत निवेशक और वहां के केंद्रीय बैंक की सक्रिय खरीदारी ने इन कीमती धातुओं के भावों को ऊपर चढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इस मांग के चलते सोने के वायदा भाव में मजबूत उछाल देखने को मिला, वहीं चांदी ने भी अपनी चमक बरकरार रखी। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 1,600 रुपये की तेजी के साथ 1,54,699 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,53,099 रुपये से काफी अधिक था। दिन के कारोबार में इस कॉन्ट्रैक्ट ने 1,55,437 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इसी तरह चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट भी 3,132 रुपये की बढ़त के साथ 2,39,999 रुपये पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,36,867 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 2,39,154 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था और दिन के दौरान 2,41,999 रुपये के भाव पर दिन का उच्चतम स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 54.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,474.10 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 0.69 डॉलर की तेजी के साथ 65.96 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने का भाव लगभग 4,450 डॉलर प्रति औंस और चांदी का भाव 66 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था। यह तेजी मुख्य रूप से बाजार में अनिश्चितता से बचाव के लिए हो रही खरीदारी से प्रेरित थी। चीन में संस्थागत निवेशकों ने सोने में अपनी हिस्सेदारी काफी बढ़ा दी है, जबकि चीन के केंद्रीय बैंक ने भी अपनी सोने की खरीदारी तेज कर दी है। इस वैश्विक रुझान का असर घरेलू बाजारों पर भी साफ दिखा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में मजबूत तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का वायदा भाव 1,55,100 रुपये के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,39,150 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था।

अदाणी को अमेरिकी अदालत से राहत, शेयरों में शानदार उछाल

सिक्योरिटीज फॉड आरोपों से बरी हुए गौतम और सागर अदाणी

नई दिल्ली। अमेरिकी अदालत से बड़ी राहत मिलने के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को शानदार तेजी दर्ज की गई। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी को अमेरिकी सिक्योरिटीज फॉड मामले में आरोपों से बरी किए जाने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में 3.5 फीसदी तक की उछाल देखने को मिली। ब्रुकलिन स्थित अमेरिकी जिला अदालत के जज निकोलस गारौफिस ने देर रात जारी आदेश में गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ लगाए गए साजिश, सिक्योरिटीज फॉड और वायर फ्रॉड के आरोपों को खारिज कर दिया। इस फैसले को अदाणी ग्रुप की अमेरिका में चल रही कानूनी मुश्किलों का अंत माना जा रहा है। इस खबर का असर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार पर तुरंत दिखा।

जहां एक ओर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पूरे बाजार में बिकवाली का दबाव था, वहीं अदाणी ग्रुप के सभी प्रमुख शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अदाणी ग्रीन इनर्जी में सर्वाधिक 3.5 फीसदी की तेजी आई, जबकि अदाणी इंटरप्राइजेज 2.6 फीसदी बढ़कर 3,080 रुपये पर और अदाणी पोर्ट करीब 1.5 फीसदी चढ़े।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 388, निफ्टी 112 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं से भी बाजार गिरा है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदें कमजोर पड़ने से भी निवेशकों में सतर्कता का माहौल देखा गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 388.19 अंक की गिरावट के साथ ही 78,154.25 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.10 अंक नीचे आकर 24,471.70 पर बंद हुआ। आज बाजार में बिकवाली हावी रही। एफएमसीजी और रियल्टी स्टॉक्स में सबसे अधिक बिकवाली का दबाव रहा। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं निफ्टी मेटल , निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी कमोडिटीज, , निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी गिरावट रही जबकि

निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल एंड गैस तेजी के साथ बंद हुए। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स गिरावट के साथ ही 63,843.85 पर और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 43.20 अंक तेजी के साथ 19,857.15 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टाइटन, एचसीएल टेक और टीसीएस के शेयर उछले जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, इंडिगो, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, आईटीसी, एमएंडएम, टाटा स्टील, एचयूएल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी आदि गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 107.15 अंक गिरकर 24,475.55 के स्तर पर आ गया जबकि सेंसेक्स 383.79 अंक की गिरावट के साथ 78,158.65 पर पहुंच गया।

कच्चे तेल में तेजी, डब्ल्यूटीआई 82.18 डॉलर तो ब्रेंट कूड 87.76 डॉलर

नई दिल्ली ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उठापटक जारी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण तेल की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.18 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 87.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई है। ईरान द्वारा अमेरिका से कुछ कड़ी शर्तें रखे जाने से इस अहम समुद्री मार्ग से आपूर्ति शुरू होने में देरी हो रही है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ रहा है। ईरान और ओमान के बीच नई शिपिंग लेन के समझौते को अंतिम चरण में बताया जा रहा है। हालांकि, ईरान चाहता है कि अमेरिका उसकी कुछ मांगों को पूरा करे, जिनमें मुआवजा, प्रतिबंधों को खत्म करना और सैन्य धमकियों को बंद करना शामिल है। इन्हीं मांगों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। इससे पहले सोमवार को तेल की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। यह समुद्री मार्ग दुनिया की लगभग पांचवें हिस्से की तेल आपूर्ति का रास्ता है। पिछले हफ्ते समझौते की उम्मीदों के चलते कीमतों में 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी, लेकिन अब अनिश्चितता बढ़ने से फिर उछाल दर्ज की जा रही है। नेचुरल गैस, हीटिंग ऑयल और गैसोलीन जैसी अन्य कमोडिटीज़ में हल्की गिरावट देखी गई है, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें होर्मुज गतिरोध के चलते दबाव में हैं।

ब्लिंकिट स्टोर का लाइसेंस निलंबित, रिलायंस से सड़ी मिठाई जब्त

ब्लिं किट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में कॉकरोच मिले

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने राज्य में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई के मलाड स्थित क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट के एक डार्क स्टोर का लाइसेंस गंभीर गंदगी और अनियमितताओं के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं बुलढाणा में रिलायंस रिटेल के एक आउटलेट से फफूंद लगी और कीड़े वाली काजू कतली के 54 बॉक्स जब्त किए गए हैं। मलाड वेस्ट के ब्लिंकिट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में भारी संख्या में कॉकरोच मिले। कोल्ड रूम में एक्सपायर्ड व टैम्पर्ड पैकेजिंग वाले उत्पाद और खराब साफ-सफाई पाई गई। कीड़े-चूहों की रोकथाम और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी नियमों की अनदेखी भी सामने आई। इन गंभीर खामियों के चलते स्टोर का लाइसेंस निलंबित कर दिया। बुलढाणा में उपभोक्ता शिकायत के बाद एफडीए टीम ने एआरडी सिनेमा स्थित रिलायंस रिटेल आउटलेट पर कार्रवाई की।

एचडीएफसी बैंक ने घटाई ब्याज दर, बैंक आफ बड़ौदा ने बढ़ाई

कर्जदारों को तत्काल फायदा या नुकसान नहीं होगा

नई दिल्ली ।

देश के दो प्रमुख बैंकों एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में बदलाव किया है. एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर में 5 बेसिस पॉइंट तक की कटौती की है, जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 3 महीने की एमसीएलआर में 10 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की है. ये नई दरें अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह से प्रभावी हुई हैं, पर इसका हर कर्जदार पर तत्काल असर नहीं होगा! एचडीएफसी बैंक की नई दरें 7 अगस्त से लागू हैं, जिसके बाद अलग-अलग अवधि के लिए एमसीएलआर अब 8 फीसदी से 8.65 फीसदी के बीच है. बैंक ने अपनी ज्यादातर एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की कमी की है. हालांकि, इसका फायदा उन्हीं ग्राहकों को मिलेगा जिनका लोन एमसीएलआर से जुड़ा है और जिनकी ब्याज दर की अगली रीसेट डेट अभी बाकी है. लोन की अंतिम ब्याज दर एमसीएलआर और बैंक के स्प्रेड को मिलाकर तय होती है।

इसके विपरीत बैंक ऑफ बड़ौदा ने 3 महीने की एमसीएलआर को 10 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 8.30 फीसदी कर दिया है, जो 12 अगस्त से प्रभावी

है. इससे एमसीएलआर से जुड़े कुछ ग्राहकों के लिए कर्ज महंगा हो सकता है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि अक्टूबर 2019 के बाद दिए गए अधिकांश फ्लोटिंग रेट रिटेल लोन बाहरी बेंचमार्क, जैसे रेपो रेट, से जुड़े होते हैं, न कि एमसीएलआर से ऐसे ग्राहकों पर इन एमसीएलआर बदलावों का सीधा असर नहीं होता और उन्हें अपनी ब्याज दर के लिए रेपो रेट के बदलावों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उनकी दरें आमतौर पर हर तीन महीने में रीसेट होती हैं।

मारुति ग्रैंड विटारा की घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की लोकप्रिय एसयूवी ग्रैंड विटारा ने अपनी बिक्री के 4 लाख यूनिट्स के आंकड़े को छू लिया है। अपने लॉन्च होने के बाद से लेकर जून 2026 तक इस एसयूवी ने घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि 62,500 यूनिट्स का निर्यात भी किया गया है।

यह उपलब्धि ग्रैंड विटारा ने 45 महीनों में हासिल की है, जिसे मारुति के प्रीमियम नेक्सा शोरूम के माध्यम से बेचा जाता है। ग्राहक औसतन हर महीने 8,911 यूनिट्स और हर दिन लगभग 293 लोग इस एसयूवी को खरीद रहे हैं। हालांकि, 4 लाख के आंकड़े तक पहुंचने में इसे दूसरी पीढ़ी की हुंडई क्रेटा के मुकाबले 21 महीने ज्यादा लगे, जिसने यह मुकाम 25 महीनों में हासिल कर लिया था। फिर भी, ग्रैंड विटारा ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में कई रिकॉर्ड बनाए हैं; यह 1 लाख यूनिट (12 महीने में), 2 लाख यूनिट (22 महीने में, पहली पीढ़ी की क्रेटा को पीछे छोड़ते हुए) और 3 लाख यूनिट (कुल 10 महीने में 2 से 3 लाख तक) तक पहुंचने वाली सबसे तेज एसयूवी रही है। ग्रैंड विटारा अपने हाइब्रिड इंजन के लिए जानी जाती है, जो एक फुल टैंक पर 1200 किमी तक की रेंज प्रदान करती है और 27.97 किमी/लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज देती है। इसमें 1.5 लीटर का के15 माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्प मौजूद है।

वित्त वर्ष 2025 ग्रैंड विटारा के लिए सबसे अच्छा साल रहा, जिसमें 1,23,946 यूनिट्स की बिक्री हुई। यह मारुति की नेक्सा डीलरशिप के जरिए बेची जाने वाली दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी है, जो मारुति फ्रोंक्स के बाद है। सुविधाओं की बात करें तो, इसमें 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स शामिल हैं।

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपय 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.34 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.38 पर खुला। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट से रुपये पर दबाव आया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये को बल मिला, जिससे इसमें और अधिक गिरावट नहीं आई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.30 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 99.77 पर रहा।

लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा के कई रेंडर आए सामने

नई दिल्ली ।

अपने लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा एसयूवी के कई रेंडर सामने आए हैं, जिसमें इसका 360 डिग्री लुक देखा जा सकता है। ये डिजाइन सीधे तौर पर एक साइंस-फाई फिल्म से प्रेरित लगता है, जो इसे मौजूदा मॉडल से पूरी तरह अलग पहचान देता है और इसे बाजार में एक अनोखी जगह देगा।

इस नए और भविष्यवादी डिजाइन की प्रेरणा नवंबर 2025 में ऑटोमोबिलिटी एलए (लॉस एंजिल्स ऑटो शो) में पेश किए गए क्रेटर कॉन्सेप्ट से मिली है। वर्तमान मॉडल की घुमावदार बॉडी पैनलिंग की जगह अब तेज और अधिक कोणीय सतहों का इस्तेमाल किया गया है, जो एसयूवी को एक मजबूत और आधुनिक स्वरूप प्रदान करता है। कार का फ्रंट फेसिया अब अधिक सीधा और थोड़ा लंबा नजर आता है, जिससे इसकी सुरक्षा में भी सुधार होगा। इसमें पिक्सेल स्टाइल एलईडीडीआरएलएस और गहराई से लगाए गए हेडलैम्प्स दिखते हैं, जो आंशिक रूप से बंद ग्रिल के साथ एकरूपता बनाए रखते हैं। नई क्रेटा में चार पार्किंग सेंसर के साथ एक प्रमुख ब्लैक-आउट बम्पर है जिसमें हॉरिजोंटल और वर्टिकल ट्रिम इंसर्ट्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल में व्हील आर्च पर विशिष्ट कैरेक्ट लाइनें और मौजूदा मॉडल की अंडाकार इकाइयों की तुलना में अधिक चौकोर ओआरवीएम्स का उपयोग किया गया है। पीछे की तरफ, इसमें हॉरिजोंटली रखे गए स्पेसिफिक पिक्सेल शैली के टेल लैंप हैं, जो एक एलईडीडी लाइट स्ट्रिप और चमकदार ब्लैक ट्रिम के साथ जुड़े हुए दिखते हैं, जिससे एक कनेक्टेड प्रोफाइल बनती है।

अन्य बाहरी फीचर्स में नए एलॉय व्हील, बॉडी कलर के डोर हैंडल, ब्लैक बी पिलर्स, ढलान वाली छत, छत की रेलिंग और एक शार्क फिन एंटीना शामिल हैं। इंटीरियर में एडवांस्ड कनेक्टिविटी फीचर्स (जैसे ब्लूलिंक), लेवल 2+ एडीडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और एक अपडेटेड हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि हुंडई अपनी अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी पर काम कर रही है, जिसे कोडनेम एसएक्स3 दिया गया है। इसके साल के आखिर या 2027 की शुरुआत में पेश किए जाने की उम्मीद है।

ट्रंप मीडिया ने कई कारोबार समेटे, विवादित फास्ट फीड से आय पर जोर

राष्ट्रपति की पोस्ट के फास्ट फीड से सालाना करोड़ों कमाने का लक्ष्य, नैतिक सवाल उठे

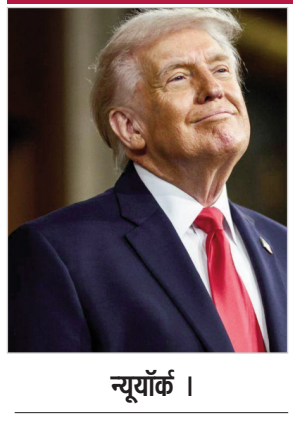

न्यूयॉर्क ।

वित्तीय संकट और शेयरों में भारी गिरावट का सामना कर रही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीडिया कंपनी ने अपने कारोबारी मॉडल में बड़ा बदलाव किया है। ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (टीएमटीजी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी, वित्तीय सेवाओं और परमाणु ऊर्जा जैसे कई असफल कारोबारी विस्तार को रद्द कर दिया है। एक अरब डॉलर से अधिक का घाटा झेल चुकी कंपनी अब अपने मूल मीडिया कारोबार पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रही है। टीएमटीजी ने अपने शेयरों में गिरावट और भारी नुकसान के बाद कई नए कारोबारी विस्तार को समेटने का फैसला किया है। इसके बजाय कंपनी अब एक नई रणनीति पर काम कर रही है, जिसके तहत उसने ट्रुथ एपीआई नामक एक सशुल्क सेवा शुरू की है। यह सेवा ग्राहकों को राष्ट्रपति ट्रंप की पोस्ट तक सामान्य उपयोगकर्ताओं की तुलना में अधिक तेजी से पहुंच प्रदान करती है। कंपनी के सीईओ केविन मैकगर्न के अनुसार, इस सेवा से जुड़ने वाली हाई-स्पीड ट्रेडिंग कंपनियां प्रति माह 60,000 डॉलर से 100,000 डॉलर तक का भुगतान कर रही हैं। सेवा शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर 10 कंपनियां इससे जुड़ चुकी हैं, जिससे कंपनी को सालाना 72 लाख डॉलर से 1.2 करोड़ डॉलर तक की अतिरिक्त आय होने का अनुमान है। यह आय कंपनी के गहरे वित्तीय घाटे को भरने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि, विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और शासन पर नजर रखने वाले समूहों ने इस फास्ट फीड सेवा को लेकर गंभीर नैतिक सवाल उठाए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की सरकारी जिम्मेदारियों और उनके कारोबारी हितों के बीच संभावित टकराव पर चिंता व्यक्त की है। कंपनी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि अन्य सोशल मीडिया कंपनियां भी इसी तरह की सेवाएं प्रदान करती हैं, जबकि व्हाइट हाउस ने हितों के टकराव से इनकार किया है।

पावर ग्रिड में दिलचस्प बदलाव- बीमा कंपनियों ने बढ़ाई हिस्सेदारी, एआईआई ने घटाई

छह महीने में घरेलू बीमा कंपनियों ने 2.4 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाई, विदेशी निवेशकों ने कम की

नई दिल्ली ।

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) में बड़े संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी में एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिला है।

जून 2026 तिमाही के आंकड़ों के अनुसार जहां घरेलू बीमा कंपनियों ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाई है, वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी होल्डिंग में मामूली कमी की है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब देश के बिजली पारेषण नेटवर्क की यह प्रमुख कंपनी अगले कुछ सालों के लिए एक विशाल ऑर्डर बुक के साथ मजबूत स्थिति में है, जिसका कुल मूल्य 1.76 लाख करोड़ रुपये है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 से जून 2026 तक प्रमोटर (सरकार) की हिस्सेदारी 51.3 फीसदी पर स्थिर रही। हालांकि, संस्थागत निवेशकों के बीच हिस्सेदारी का पैटर्न बदल गया। बीमा कंपनियों ने इस अवधि में अपनी हिस्सेदारी 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर ली, जो केवल छह महीनों में 2.4 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसके विपरीत, विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 के 24.8 फीसदी से घटकर जून 2026 तक 24.3 फीसदी रह गई। म्युचुअल फंड और अन्य घरेलू संस्थानों की हिस्सेदारी भी थोड़ी घटकर 13.6 फीसदी पर आ गई। रिपोर्ट में हालांकि इन बदलावों के पीछे कोई विशिष्ट कारण नहीं बताया गया है, और इससे सीधे तौर पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि बीमा कंपनियों का भरोसा बढ़ा है या विदेशी निवेशक दूर हो रहे हैं। कंपनी की सबसे बड़ी ताकत उसकी भविष्य की विकास क्षमता और मौजूदा मजबूत ऑर्डर बुक है।

पावर ग्रिड के पास मौजूदा समय में लगभग 1.76 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट हाथ में हैं, जो पिछले एक साल में 18 फीसदी की वृद्धि दर्शाते हैं। इसमें 1.46 लाख करोड़ रुपये के प्रतिस्पर्धी बोली वाले प्रोजेक्ट और 25,000 करोड़ रुपये के अन्य प्रमुख प्रोजेक्ट शामिल हैं। भविष्य में लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं, जिनमें से 73,900 करोड़ रुपये के लिए बोली प्रक्रिया जारी है।

यूपीआई रहेगा शुल्क-मुक्त, बड़े कारोबारी पर ही लगेगा एमडीआर- वित्त मंत्री

राज्यसभा में सांसदों को दिया आश्वासन, छोटे व्यापारियों को भी एमडीआर से मिलेगी छूट

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में सांसदों को आश्वस्त किया कि ग्राहकों के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से डिजिटल भुगतान हमेशा शुल्क-मुक्त रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में कोई भी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) केवल एक निश्चित सीमा से ऊपर के सीमित कारोबारी लेनदेन पर ही लागू होगा। यह जानकारी उन्होंने कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा के दौरान दी। यह विधेयक राज्यसभा से पारित हो चुका है और अब इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इसमें भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव है ताकि एमडीआर नामक एक लेनदेन शुल्क का प्रावधान किया जा सके। हालांकि, वित्त मंत्री ने साफ किया कि इसका उद्देश्य यूपीआई उपयोगकर्ताओं पर कोई कर या लेनदेन शुल्क लगाना नहीं है।

विधेयक पारित होने के बाद एक समिति इस बात पर विचार करेगी कि एमडीआर लागू किया जाना चाहिए या नहीं और यदि हां, तो उसका दायरा एवं ढांचा क्या होगा। सीतारमण ने कहा कि फिलहाल किसी एमडीआर ढांचे को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छोटे व्यापारियों, जिनमें चाय विक्रेता, सब्जी विक्रेता, स्ट्रीट वेंडर, फूल विक्रेता, ऑटो चालक और किराना स्टोर शामिल हैं, पर एमडीआर लागू नहीं किया जाएगा।

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

ललित गर्ग

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है।

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच

विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं ह्यवादे वादे जायते तत्त्वबोधःह्ण की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मयार्दा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है।

यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मयार्दा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है।

नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है। इसलिए मोहन भागवत की बात को केवल जेन-जी आंदोलन के संदर्भ में देखने की बजाय उसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के व्यापक संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें आएंगी-जाएंगी, राजनीतिक दल बदलेंगे, आंदोलनों के स्वरूप बदलेंगे, लेकिन लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता नहीं बदलेगी, जनता को सुनना होगा।

संपादकीय

परीक्षा की घड़ी

ऐसे वक्त में जब नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से उपजे छात्र आक्रोश से देश हाल ही में दो-चार हुआ है, देश के परीक्षा सिस्टम पर प्रतिभागियों का भरोसा कायम करना अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में केंद्रीय स्तर और राज्यों में विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं स्थगित होने और परीक्षा परिणामों को लेकर किंतु-परंतु होने की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं। नए प्रावधानों के अनुसार इसके टेस्ट सिक्योरिटी और लाइव ऑपरेशन्स अनुभाग के प्रस्तावित जनरल मैनेजर परीक्षा प्रक्रिया के लगभग हर संवेदनशील हिस्से की देखरेख करेंगे, जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र तैयार करने, एन्क्रिप्शन से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, वितरण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल रहेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा के उपरांत डेटा एनालिसिस से परीक्षा व्यवस्था के पारदर्शी व विश्वसनीय होने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, नीट प्रवेश परीक्षा विवाद के उपरांत प्रतिभागियों में भरोसा कायम करने की दिशा में यह एक गंभीर कोशिश होती नजर आती है। लेकिन एक बात तो तय है कि सिर्फ तकनीक के जरिए सिस्टम की खामियां दूर नहीं की जा सकतीं। हालिया नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई की जांच में एनटीए के अपने ही गोपनीय विभाग में खामियां पाई गई थीं, मसलन संतोषजनक ढंग से तलाशी न लेना, सीसीटीवी की अपर्याप्त निगरानी, जिम्मेदारियों का सही बंटवारा न होना तथा अंतिम प्रश्न सेट तक बहुत अधिक लोगों की पहुंच होना, जिसने परीक्षा प्रश्नपत्र के लीक संकट को जन्म दिया।

चिंतन-मनन

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

भ्रष्टाचार और पूंजीवाद के खिलाफ वैश्विक जंग?

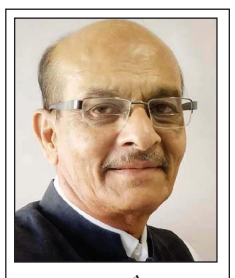

सनत जैन

दुनिया के अधिकांश देशों में अब पूंजीवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान शुरू हो गया है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा बढ़ती हुई महंगाई के बाद दुनिया के देशों में पूंजीवाद और बाजारवाद के खिलाफ युवा सड़कों पर आकर अपना विरोध दर्ज कराने लगे हैं। चीन जैसे देश में हर दिन 2700 से ज्यादा भ्रष्ट अधिकारी पकड़े जा रहे हैं। चीन जैसे देश में पिछले तीन दशक में तेजी के साथ भ्रष्टाचार बढ़ा है। चीन में 2012 से लेकर अभी तक 70 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनके ऊपर मुकदमें चलाए गए हैं। भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को पकड़ने के लिए चीन की सरकार ने जासूस नियुक्त किए हैं। जो भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। ऐसे जासूसों को चीन की सरकार प्रति जानकारी 100 युआन का भुगतान कर रही है। जो भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों, कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। निजी तौर पर भ्रष्ट अधिकारियों के बारे में सूचना देने वालों की संख्या चीन में बढ़ती चली जा रही है। सरकार सख्ती के साथ भ्रष्टाचारियों से निपट रही है। चीन में बड़े-बड़े अधिकारी रिश्वत मामलों में पकड़े जा रहे हैं, उनसे भारी संपत्ति बरामद की जा रही है।

भारत में भी भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। भारत में कई एजेंसियों को भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने की जिम्मेदारी दी गई है। भारत में राजनीतिक संरक्षण के कारण भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर उतनी सख्ती के साथ अभी कार्यवाही नहीं हो रही है। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर कोई नियंत्रण नहीं है। सरकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही करने के लिए सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है। जो आसानी से नहीं मिलती है। न्यायालयों में कई वर्षों तक भ्रष्टाचार के प्रकरण चलते रहते हैं। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए भारत में अन्ना आंदोलन हुआ था। उसके बाद लोकपाल संस्था का गठन हुआ। कई वर्षों तक इसमें नियुक्ति नहीं हुई। लोकपाल के पद पर सुप्रीम कोर्ट के निवृतमान न्यायाधीश नियुक्त किये गये हैं। इस संस्था ने अभी तक भ्रष्टचार की जाँच में कोई रूचि नहीं ली है। जो शिकायतें जाती हैं, वह ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है। लोकपाल का संरक्षण भ्रष्टाचारियों को मिल रहा है? वहीं चीन ने भ्रष्टाचार के मामले में कड़ी कार्यवाही कर के बढ़त ले ली है। जिस तरह से दुनिया के देशों में महंगाई बेतहाशा बढ़ती चली जा रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां और बाजारबाद के कारण महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं हो पा रहा हैं। सरकारें बहु राष्ट्रीय कंपनियों के हिसाब से नियम और कानून बना रही हैं। इससे अब जनता के बीच में नाराजी बढ़ने लगी है। 100 से अधिक देशों में महंगाई और पूंजीवाद के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के इस दौर में वैश्विक स्तर पर परिवर्तन बड़ी तेजी के साथ देखने को मिल रहे हैं। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं करते हैं। इससे सीधे आम जनता प्रभावित हो रही है। अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं। भारत में जिस तरह से जेन-जी आंदोलित है। शिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी और न्यायिक व्यवस्था में बढ़ रहे भ्रष्टाचार के विरोध में युवा पीढ़ी सड़कों पर उतरकर मुखर हो रही है। भारत में विरोध प्रदर्शन का सिलसिला पिछले कुछ वर्षों से थम गया था। पिछले दो-तीन महीनों में अब विरोध का सिलसिला बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ है। हर जगह विरोध प्रदर्शन की बाढ़ आ गई है। लोग मुखर होकर अपनी बात कह रहे हैं। जनता भी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर दबाव बनना शुरू हो गया है। भारत जैसे देश में अब लोग न्यायपालिका के बारे में भी खुलकर बोलने लगे हैं।

युवा भारत की धड़कन में सपने, सवाल और बदलाव की पुकार

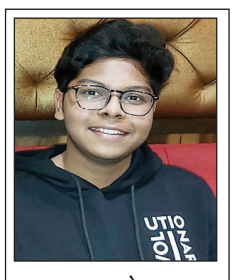

अतुल गोयल

युवा आकांक्षाओं को आवाज, अवसर और सम्मान देने का समय...

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल देश का वर्तमान नहीं बल्कि उसके भविष्य की दिशा तय करने वाली वह ऊर्जा हैं, जिनके सपनों, सवालों, नवाचारों और निर्णयों से आने वाले समाज की तस्वीर बनती है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को 'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाता है। इसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाना, उनकी आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। पहला अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था, जिसकी अवधारणा 1991 में वियना में आयोजित विश्व युवा मंच के दौरान सामने आई थी और 1998 के लिस्बन सम्मेलन में 12 अगस्त को युवा दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई थी। दिसंबर 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 54/120 के माध्यम से इसे औपचारिक मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम है 'विभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं', जो आज के वैश्विक युवा परिदृश्य को अत्यंत सटीक ढ़ंग से अभिव्यक्त करती है। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाजों और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग हों लेकिन उनकी मूल आकांक्षाएं आश्चर्यजनक रूप से समान हैं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, आर्थिक सुरक्षा, समान अवसर, बेहतर स्वास्थ्य, निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी और ऐसा भविष्य, जिसमें उनकी प्रतिभा तथा परिश्रम का उचित मूल्य मिले। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युवा चाहे छोटे द्वीपीय देशों में रहते हों, विकासशील देशों में या अपेक्षाकृत समृद्ध समाजों में, उनकी साझा आकांक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरिमापूर्ण कार्य, निर्णयों में अपनी आवाज और बेहतर भविष्य की चाह प्रमुख है। भारत के संदर्भ में यह थीम और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की जनसंख्या संरचना में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'यूथ इन इंडिया 2022' रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 27.2 प्रतिशत थी और यह संख्या लगभग 34.5 करोड़ थी। रिपोर्ट इसे भारत के लिए 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' अर्थात जनसांख्यिकीय लाभांश की महत्वपूर्ण खिड़की मानती है लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल और समावेशी विकास की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

भारत ने युवाओं की क्षमता को दिशा देने के लिए राष्ट्रीय युवा नीति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्किल इंडिया, फिट इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि करोड़ों युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार की राह अभी भी असमान, अनिश्चित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। डिग्री बढ़ रही है लेकिन उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर हर युवा तक नहीं पहुंच रहे। सरकारी नौकरी की कुछ हजार सीटों के लिए लाखों आवेदन और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आने वाली अनियमितताओं ने युवाओं की बेचैनी को बढ़ाया है। यही बेचैनी हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखाई दी। 2026 में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट से जुड़े कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर युवाओं का आंदोलन धीरे-धीरे एक व्यापक शिक्षा-सुधार आंदोलन में बदलता गया। मई में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुई यह आवाज जून-जुलाई में जंतर-मंतर तक पहुंची और बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक तथा नौकरी की तैयारी कर रहे युवा वहां जुटे। इस आंदोलन का महत्व केवल किसी एक परीक्षा की अनियमितता तक सीमित नहीं था। जंतर-मंतर पर पहुंचे युवाओं की शिकायतों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पेपर लीक, परीक्षा परिणामों में देरी, शिक्षा की बढ़ती लागत, सरकारी और निजी शिक्षा के बीच अंतर, रोजगार की चिंता और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अनेक सवाल शामिल थे।

जंतर-मंतर की गूंज अब झारखंड में भी सुनाई दे रही है। वहां जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर बड़ी संख्या में युवा और अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं। 10 अगस्त 2026 को रांची में विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया तथा पुलिस ने आंसू गैस, पानी की बौछार और लाठी का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्षता, कथित अनियमितताओं की जांच और जवाबदेही शामिल है। झारखंड का आंदोलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां युवाओं की समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। सरकारी रोजगार के सीमित अवसर, आर्थिक पिछड़ापन, प्रतियोगी परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह युवाओं में गहरी निराशा पैदा कर सकते हैं। जब किसी युवा के लिए सरकारी नौकरी आर्थिक और सामाजिक स्थिरता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है, तब परीक्षा में कथित गड़बड़ी उसके लिए केवल परीक्षा की समस्या नहीं बल्कि उसके पूरे भविष्य पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। हालिया घटनाओं ने इसी बेचैनी को सार्वजनिक रूप दिया है।

इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना युवाओं की मूल पीड़ा को समझने में बाधक होगा। युवाओं के आक्रोश में राजनीतिक स्वर भले जुड़ जाएं लेकिन उसकी मूल जमीन अक्सर बहुत साधारण होती है, निष्पक्ष परीक्षा, समय पर परिणाम, पारदर्शी भर्ती, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक रोजगार। आज युवा केवल नौकरी मांगने वाली पीढ़ी नहीं है। वह रोजगार पैदा करने वाली पीढ़ी भी है। स्टार्टअप से लेकर सामाजिक उद्यमिता, डिजिटल सेवाओं से लेकर ग्रामीण नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर हरित तकनीक तक युवा नए समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक आंदोलनों में भी युवाओं की सक्रिय भूमिका रही है। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को जलवायु कार्रवाई, सामाजिक उद्यम, डिजिटल समाधान और सामुदायिक विकास के महत्वपूर्ण वाहक के रूप में रेखांकित करता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल युवाओं को रोजगार देने की नहीं बल्कि उनके भीतर मौजूद क्षमता को सही अवसर देने की है। शिक्षा व्यवस्था को डिग्री-केंद्रित होने के बजाय कौशल, शोध, रचनात्मकता और रोजगार-उन्मुख बनाना होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल, सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रणाली, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और समयबद्ध परिणामों को प्राथमिकता देनी होगी। सरकारी नौकरियों पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए निजी क्षेत्र, एमएसएमई, स्टार्टअप, ग्रामीण उद्यमिता और गिग तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण अवसर बढ़ाने होंगे। साथ ही युवाओं की मानसिक भलाई, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और नागरिक भागीदारी को भी विकास की मुख्यधारा में स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युवाओं को केवल ह्यभविष्य के नागरिकह्ण कहकर उनकी वर्तमान आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे आज के नागरिक हैं और आज की नीतियों का सीधा प्रभाव उनके जीवन पर पड़ता है। इसलिए नीति-निर्माण में युवाओं की भागीदारी औपचारिक सलाह तक सीमित न रहकर वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया का हिस्सा बननी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को केवल नीतियों के लाभार्थी नहीं बल्कि विकास और लोकतांत्रिक शासन के सक्रिय भागीदार के रूप में देखने पर जोर देता है। जंतर-मंतर और झारखंड की सड़कों से उठती युवाओं की आवाज को केवल विरोध की आवाज नहीं समझना चाहिए, यह उस पीढ़ी की आकांक्षा है, जो अपने भविष्य को लेकर गंभीर है। वह कह रही है कि उसे मुफ्त वादे नहीं, निष्पक्ष अवसर चाहिए; केवल भाषण नहीं, पारदर्शी व्यवस्था चाहिए; केवल आश्वासन नहीं, परिणाम चाहिए। अलग-अलग राज्यों, भाषाओं, वर्गों और सामाजिक परिस्थितियों में रहने के बावजूद युवाओं की यह साझा मांग है कि उनके सपनों के साथ व्यवस्था भी ईमानदार हो। आज आवश्यकता युवाओं को शांत कराने की नहीं, उन्हें सुनने की है; उनकी आवाज दबाने की नहीं, उसे नीति में बदलने की है; उनके आक्रोश को अपराध मानने की नहीं, उसके कारणों को समझने की है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में गोलीबारी की वारदातों से दहशत: शिकागो में तीन लोगों की मौत, नॉर्थ कैरोलिना में एक परिवार पर टूटा कह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में सप्ताहांत में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। सीबीएस शिकागो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह 8:22 बजे तक शहर में कुल आठ गोलीबारी की घटनाएं हुईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हुए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इसके अलावा, शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इन गोलीबारी की घटनाओं में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 7 अप्रैल तक समाप्त हुए 12 महीनों के दौरान शिकागो में बंदूक हिंसा के 1,878 पीड़ित दर्ज किए गए, जिनमें से 356 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में एक ग्रामीण इलाके में स्थित घर में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने दी। पुलिस को बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 8 बजे से ठीक पहले घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने की हालत में पाया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि गोली लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौत हो चुकी थी।

अमेरिकी हमले में मिनाब के स्कूल में मारे गए थे 120 बच्चे, शिक्षिका का दर्द छलका

तेहरान/मिनाब, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जंग के पहले दिन शजरेह तय्यबेह प्राथमिक स्कूल अमेरिकी टोमाहाक मिसाइल का निशाना बना था। तबाही के निशान आज भी ताजा हैं, स्कूल की जगह मलबे का ढेर नजर आता है। इस हमले में 120 बच्चों समेत 156 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट ने जंग के बाद बदले ईरान के हालात के बारे में बताया। मिनाब में तबाही के इस मंजर के बीच जब राहत कर्मी मलबे को हटा रहे थे, तो उन्हें कंक्रीट के टुकड़ों के बीच आठ साल की माह्या सलारी की एक कॉपी मिली, जिसके पन्ने अभी भी सुरक्षित थे। माह्या अपने छोटे भाई अली के साथ स्कूल में थी और हमले से ठीक पहले उनकी मां उन्हें लेने आई थीं। इस हमले में तीनों की मौत हो गई थी। शहर की दीवारों और दुकानों पर अब मृत बच्चों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगी हैं, जो नागरिकों की पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं। अमाइनेह नदीमी इस स्कूल में छह साल तक पहली कक्षा के बच्चों को पढ़ाया करती थीं। अमाइनेह ने बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने माता-पिता को नंगे पांव इमारत की तरफ दौड़ते देखा। वह बताती हैं, एकबारगी तो मुझे यही लगा कि हर कोई बाहर निकल गया है। लेकिन बाद में समझ आया कि वे सब मलबे के नीचे थे। मिनाब के कब्रिस्तान का नजारा भावुक कर देने वाला है। हमले में मारे गए बच्चों की छोटी-छोटी कब्रों की पंक्तियों के बीच से गुजरते लोगों के चेहरे पर जंग का दर्द उभर आता है।

अमेरिकी हमले में मिनाब के स्कूल में मारे गए थे 120 बच्चे, शिक्षिका का दर्द छलका

तेहरान/मिनाब, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जंग के पहले दिन शजरेह तय्यबेह प्राथमिक स्कूल अमेरिकी टोमाहाक मिसाइल का निशाना बना था। तबाही के निशान आज भी ताजा हैं, स्कूल की जगह मलबे का ढेर नजर आता है। इस हमले में 120 बच्चों समेत 156 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट ने जंग के बाद बदले ईरान के हालात के बारे में बताया। मिनाब में तबाही के इस मंजर के बीच जब राहत कर्मी मलबे को हटा रहे थे, तो उन्हें कंक्रीट के टुकड़ों के बीच आठ साल की माह्या सलारी की एक कॉपी मिली, जिसके पन्ने अभी भी सुरक्षित थे। माह्या अपने छोटे भाई अली के साथ स्कूल में थी और हमले से ठीक पहले उनकी मां उन्हें लेने आई थीं। इस हमले में तीनों की मौत हो गई थी। शहर की दीवारों और दुकानों पर अब मृत बच्चों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगी हैं, जो नागरिकों की पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं। अमाइनेह नदीमी इस स्कूल में छह साल तक पहली कक्षा के बच्चों को पढ़ाया करती थीं। अमाइनेह ने बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने माता-पिता को नंगे पांव इमारत की तरफ दौड़ते देखा। वह बताती हैं, एकबारगी तो मुझे यही लगा कि हर कोई बाहर निकल गया है। लेकिन बाद में समझ आया कि वे सब मलबे के नीचे थे। मिनाब के कब्रिस्तान का नजारा भावुक कर देने वाला है। हमले में मारे गए बच्चों की छोटी-छोटी कब्रों की पंक्तियों के बीच से गुजरते लोगों के चेहरे पर जंग का दर्द उभर आता है।

ट्रंप ने साझा किया हिलेरी का लेख: गाजा प्लान का समर्थन क्यों कर रहीं पूर्व विदेश मंत्री नेतन्याहू ने क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का एक लेख साझा किया। यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। इसमें क्लिंटन ने ट्रंप की गाजा शांति योजना का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि गाजा में जारी संकट से निपटने के लिए कोई दूसरा ढांचा मौजूद नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित हिलेरी क्लिंटन के लेख के कुछ अंश साझा किए। इसमें लिखा था- दुनिया को ट्रंप की गाजा योजना पसंद नहीं आ सकती, लेकिन इसका कोई विकल्प नहीं है। अगर मैं भी , जो राष्ट्रपति की सख्त विरोधी रही हूं, इसे सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर स्वीकार कर सकती हूं, तो निश्चित रूप से दूसरे लोग भी ऐसा कर सकते हैं। क्लिंटन का यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। यह ट्रंप के उन दावों से पहले आया था, जिनमें उन्होंने एक समझौते के अंतिम रूप लेने की बात कही थी। ट्रंप ने सितंबर 2025 में अपनी 20 सूत्री शांति योजना जारी की थी, जबकि 15 सूत्री गाजा शांति योजना इस साल जुलाई में पेश की गई थी। हिलेरी क्लिंटन ने क्या कहा था क्लिंटन ने कहा था कि गाजा शांति योजना को लेकर चिंताओं के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनके मुताबिक, यह एकमात्र उपलब्ध ढांचा

(फ्रेमवर्क) है, जिसमें संबंधित पक्षों को योजना लागू करने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। क्लिंटन ने लिखा था- पर्दे के पीछे कोई दूसरा ढांचा तैयार नहीं है। कोई दूसरा गठबंधन चुपचाप इससे बेहतर प्रस्ताव तैयार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि 20 सूत्री योजना ही ऐसा एकमात्र ढांचा है, जिसे पर्याप्त प्रभाव, राजनीतिक भागीदारी और संभावित संसाधनों का समर्थन हासिल है। ट्रंप ने क्या एलान किया था इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि गाजा में हमास और दूसरे सशस्त्र समूहों को 'पूरी तरह से निरस्त्र' करने और इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ इस्राइली सैन्य बलों की चरणबद्ध वापसी को लेकर एक समझौता हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई के घटनाक्रम को शांति और सुरक्षा की दिशा में एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया था। उन्होंने कहा था कि यह समझौता कई चरणों में लागू किया जाएगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा था- यह समझौता सावधानी से तय किए गए चरणों में लागू किया जाएगा। जैसे-जैसे निरस्त्रीकरण पूरा होगा, इस्राइली सेना पीछे हटेगी और अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल एक नई फलस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा, ताकि वहां के निवासियों और उसके पड़ोसियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आगे कहा, यह समझौता गाजा के लिए उनकी 20 सूत्री योजना को लागू करने की दिशा में एक बड़ा पड़ाव है। उन्होंने कहा कि अंत में इस क्षेत्र का प्रशासन एक 'नई फलस्तीनी सरकार' करेगी, जो फलस्तीनी लोगों की मदद के लिए बने शांति बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगी। नेतन्याहू ने खारिज किया ट्रंप का प्लान हालांकि, रविवार को इस्राइल ने ट्रंप की 15 सूत्री गाजा शांति योजना को खारिज कर दिया। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमास को 'वास्तव में' निरस्त्र नहीं किया जाता, तब तक इस्राइल गाजा से अपनी सेना नहीं हटाएगा। इस्राइली मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है। वह जुलाई के आखिर में हमास के समर्थन वाले प्रस्ताव की बात कर रहे थे। कैबिनेट की बैठक में नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइली सेना तब तक कोई वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास को वास्तव में निरस्त्र नहीं किया जाता। शांति योजना को छोड़ने के लिए फिर से कैबिनेट में वोट कराने की मांग कर रहे दक्षिणपंथी गठबंधन के सहयोगी नेतन्याहू पर दबाव बना रहे हैं। इसी बीच, नेतन्याहू ने कहा कि इस मुद्दे पर इस्राइल की वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, नेतन्याहू फिलहाल कड़े चुनावी मुकाबले में हैं। नेतन्याहू ने कहा, उनके पास कुछ विचार हैं। उनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं हैं। हम जानते हैं कि इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पर मजबूती से कैसे कायम रहना है।

ट्रंप की 15 सूत्री योजना में क्या है : ट्रंप की 15 सूत्री योजना में गाजा संघर्ष को खत्म करने, सशस्त्र गुटों को निरस्त्र करने, इस्राइली सैनिकों को वापस बुलाने और गाजा के प्रशासन को एक फलस्तीनी तकनीकी निकाय को सौंपने की चरणबद्ध रणनीति बताई गई है। इस निकाय का नाम 'गाजा प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति' है। योजना के तहत भारी हथियार, हथियारों के भंडार, सैन्य ठिकाने और सुरंगें इस समिति के नियंत्रण में रखी जाएंगी। वहीं, इस्राइली सैनिकों और फलस्तीनी प्रशासन वाले इलाकों को अलग रखने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल तैनात किया जाएगा।

बच्चे ने नहीं बांधी सीट बेल्ट तो 24 घंटे देरी से उड़ी उड़ान, विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में एक बच्चे के सीट बेल्ट लगाने से इनकार करने की वजह से पोर्टर एयरलाइंस की उड़ान को टेकऑफ से ठीक पहले रोकना पड़ा। उड़ान संख्या पीडी4444 छह अगस्त को विक्टोरिया इंटरनेशनल एयरपोर्ट से टोरंटो के लिए रवाना होने वाली थी। विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी चालक दल ने देखा कि एक बच्चा सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए है। सुरक्षा नियमों के तहत बच्चे को सीट बेल्ट लगाना जरूरी था। माता-पिता और चालक दल ने बच्चे को सीट बेल्ट बांधने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद विमान को असुरक्षित स्थिति में उड़ाने के बजाय वापस टर्मिनल लाने का फैसला किया गया।

बच्चे और माता-पिता को विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा विमान को गेट पर वापस लाने के बाद बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारने की प्रक्रिया शुरू हुई। उनके सामान को निकालने और जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने में समय लगा। इस दौरान काफी देर हो चुकी थी। एयरपोर्ट का रनवे रात 12:30 बजे बंद हो जाता है। ऐसे में विमान के पास उसी रात टोरंटो के लिए उड़ान भरने का समय नहीं बचा। इसके बाद पूरी उड़ान को अगले दिन के लिए टालना पड़ा। एयरलाइन ने उड़ान को सात अगस्त की रात 10:49 बजे के लिए फिर से निर्धारित किया। विमान शनिवार सुबह टोरंटो पहुंचा। इस तरह यात्रियों को करीब 24 घंटे की देरी झेलनी पड़ी।

क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को उतारकर बाकी यात्रियों को ले जा सकती थी घटना के बाद यह सवाल भी उठा कि क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारकर बाकी यात्रियों के साथ उड़ान जारी रख सकती थी। हालांकि, विमान को वापस गेट पर लाने, यात्रियों को उतारने, बच्चे और उसके माता-पिता के सामान को अलग करने तथा जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में इतना समय निकल गया कि रनवे बंद होने की समयसीमा आ गई। एयरलाइन के अनुसार असुरक्षित स्थिति में विमान को उड़ाना संभव नहीं था। इसलिए सभी यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा और उड़ान को अगले दिन के लिए पुनर्निर्धारित करना पड़ा। घटना से प्रभावित यात्रियों को देरी के लिए कोई मुआवजा मिला या नहीं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सीट बेल्ट को लेकर माता-पिता की जिम्मेदारी पर सवाल क्यों उठे घटना के बाद सोशल मीडिया पर माता-पिता की भूमिका को लेकर बहस शुरू हो गई। कुछ यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाया कि अगर बच्चा सीट बेल्ट लगाने से इनकार कर रहा था।

काश पटेल अक्तूबर में जाएंगे रूस, क्या एफबीआई प्रमुख कोई बड़ा लेन-देन करने जा रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल अक्तूबर के मध्य में रूस की यात्रा करने की तैयारी में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल 14 और 15 अक्तूबर को मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जाएंगे। यह यात्रा ऐसे समय प्रस्तावित है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख का रूस जाना इसलिए भी असामान्य माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध लंबे समय से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। यात्रा की आधिकारिक एजेंडा संबंधी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि पटेल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन या क्रेमलिन के किसी वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात करेंगे या नहीं। पटेल की यात्रा के दौरान रूस की प्रमुख सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मेजबानी करने की संभावना बताई गई है। एफएसबी रूस की प्रमुख सुरक्षा संरचना है, जिसे सोवियत दौर की केजीबी का उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पटेल एफएसबी के अधिकारियों के अलावा किन लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके दौरे का आधिकारिक एजेंडा भी सार्वजनिक नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी जानकारी में 14-15 अक्तूबर की तारीख और मॉस्को के बाद सेंट पीटर्सबर्ग जाने की योजना की पुष्टि की गई है। ऐसे में यात्रा के सुरक्षा, खुफिया सहयोग और दोनों देशों के बीच संवेदनशील मुद्दों से जुड़े होने की संभावना पर नजर रहेगी। पटेल की संभावित यात्रा पर रूस के एक राज्य समर्थित प्रकाशन ने सवाल उठाया कि अगर एफबीआई निदेशक रूस से किसी तरह की मदद चाहते हैं तो अमेरिका की तरफ से बदले में क्या पेशकश हो सकती है। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्बातोव इंस्टीट्यूट से जुड़े व्लादिमीर वासिलिएव ने कहा कि रूस के पास अमेरिकी डेमोक्रेट्स से जुड़ी कथित जानकारी हो सकती है और उसे किसी रूप में अमेरिका के साथ साझा किया जा सकता है।

जर्मनी में भारतीय छात्र गिरफ्तार, अमेरिका के एरिजोना में प्रेमिका की हत्या का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोपी भारतीय छात्र को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हत्या के बाद अमेरिका से भारत भागने की कोशिश कर रहा था। वह जर्मनी पहुंचा, लेकिन वहां से आगे की उड़ान लेने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 20 वर्षीय वरुण बाचिगरी एरिजोना विश्वविद्यालय में बिजनेस एनालिटिक्स का छात्र था। उस पर 19 वर्षीय जुलिसा रूबी सालाजार की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को टक्सन स्थित एक अपार्टमेंट में सालाजार की हत्या की गई थी।

टक्सन पुलिस विभाग के अनुसार, हत्या के बाद बाचिगरी टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। उसने जर्मनी की उड़ान पकड़ी थी और वहां से भारत जाने की योजना थी। इसी बीच जांचकर्ताओं ने उसके खिलाफ पहले दर्जे की हत्या और अपहरण के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। टक्सन पुलिस, एफबीआई के टक्सन कार्यालय और बर्लिन स्थित एफबीआई लीगल अटैचे कार्यालय के बीच समन्वय के बाद जर्मनी में उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, जर्मनी पहुंचते ही बाचिगरी को हिरासत में ले लिया गया और वह आगे भारत के लिए यात्रा नहीं कर सका। जांच में पुलिस को पता चला कि हत्या के बाद आरोपी ने कथित तौर पर सालाजार का मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड अपने पास रख लिए थे। इसके बाद उसने सालाजार की मां को कई मैसेज भेजे। पुलिस का आरोप है कि उसने सालाजार बनकर ये संदेश भेजे, ताकि परिवार को लगे कि वह जीवित है और हत्या की जानकारी छिपाई जा सके। इन संदेशों से सालाजार के परिवार को संदेह हुआ। परिवार की चिंता के बाद पुलिस ने उसके अपार्टमेंट में जाकर हालचाल जानने के लिए जांच की। वहां अधिकारियों को सालाजार का शव मिला। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब चार बजे टक्सन फायर डिपार्टमेंट को अपार्टमेंट में कार्डियक अरेस्ट की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची टीम ने सालाजार को फर्श पर मृत पाया। उसके शरीर पर एक कंबल गर्दन तक खींचा हुआ था। फायर विभाग के कर्मचारियों ने उसके गले पर गला दबाने के निशान और खरोंचें देखीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। गिरफ्तारी वारंट में आरोपी के खिलाफ पहले के हिंसक व्यवहार से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, बाचिगरी के खिलाफ पहले यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना पुलिस विभाग ने एक मारपीट के मामले की जांच की थी।

होर्मुज खुला तो परमाणु समझौते से पीछे हटेगा यूएस: ईरान संघर्ष से निकलने को बेताब ट्रंप, तैयार है एग्जिट प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ जारी सैन्य टकराव से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। संघर्ष को खत्म करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल देता है तो अमेरिकी प्रशासन परमाणु मुद्दे को अलग रखकर जीत की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप पिछले कुछ हफ्तों से इस नतीजे की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपने वरिष्ठ सहयोगियों से निजी तौर पर कहा है कि वह तेहरान के साथ औपचारिक परमाणु समझौता किए बिना भी पीछे हट सकते हैं। हालांकि, इस फैसले के लिए सम्मानजनक रास्ता निकालना मुश्किल हो गया है।

ईरान ने महत्वपूर्ण जलमार्ग से आवाजाही बहाल करने के बदले कई बड़ी मांगें रखी हैं। इनमें अरबों डॉलर

का भुगतान, अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की पूरी वापसी और अन्य बड़ी रियायतें शामिल हैं। इन मांगों से अमेरिका के कूटनीतिक विकल्प सीमित हो गए हैं। इससे यह चिंता भी बढ़ी है कि ईरान जल्द समझौते के बजाय लंबे समय तक टकराव के लिए तैयारी कर रहा है। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं के जरिए इस संकरे समुद्री मार्ग से होने वाले यातायात को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई है। इससे वैश्विक वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही धीमी हुई है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है। हाल के हफ्तों में ट्रंप बार-बार दावा करते रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला है। हालांकि, ये दावे सिर्फ दावे ही साबित हुए हैं। फरवरी में संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग को बंद कर दिया था। उसका कहना था कि अमेरिकी युद्धपोतों और सहयोगी देशों के जहाजों को यहां से गुजरने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर टोल लगाने की भी कोशिश की। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि वॉशिंगटन ने ईरान की होर्मुज में पाबंदियों और टोल लगाने की किसी भी कोशिश को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। सप्ताहांत में संयुक्त अरब अमीरात की ओर से यह घोषणा किए जाने के बाद कूटनीतिक समाधान की उम्मीद और कमजोर हुई कि ईरान ने उसके एक जहाज पर मिसाइल हमला किया है। इसी दौरान ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बघेर जुलघदर ने जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए कई शर्तें रखीं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, जुलघदर ने कहा कि अमेरिका को युद्ध स्थायी रूप से खत्म करना होगा, अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटानी होगी और अमेरिकी सैन्य बलों को क्षेत्र से वापस बुलाना होगा। इसके अलावा सभी प्रतिबंध हटाने, ईरान की जमी हुई वित्तीय संपत्तियां जारी करने और युद्ध क्षतिपूर्ति का भुगतान करने की भी मांग की गई।

ईरान की सत्ता में बड़ा फेरबदल: पूर्व आईआरजीसी प्रमुख को मिली अहम जिम्मेदारी; युद्ध के बीच क्यों बदली रणनीति

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने सुरक्षा तंत्र में बड़ा बदलाव किया है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने पूर्व इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी प्रमुख मोहसेन रजाई को सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। रजाई ने मोहम्मद बाकिर जुलघद्र की जगह ली है। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब ईरान अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी संघर्ष, सैन्य दबाव और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। रजाई के पास सैन्य और सुरक्षा मामलों का लंबा अनुभव है।

रजाई के पास कितना सैन्य और सुरक्षा अनुभव है : मोहसेन रजाई ईरान के आईआरजीसी के पूर्व प्रमुख रहे हैं। उन्होंने 1980 के दशक में हुए ईरान-इराक युद्ध में सैन्य कमांडर के तौर पर भी भूमिका निभाई थी। ईरान में उस युद्ध को 'पवित्र रक्षा' के नाम से जाना जाता है। रजाई फिलहाल एक्सपीडिएंसी डिसर्नमेंट काउंसिल के सदस्य भी हैं। यह संस्था संसद और गार्जियन काउंसिल के बीच मतभेदों को सुलझाने का काम करती है। उनकी नियुक्ति ऐसे व्यक्ति को सुरक्षा परिषद में लाती है, जिसके पास सैन्य और राजनीतिक दोनों क्षेत्रों का अनुभव है। मोहसेन रजाई से पहले सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि की जिम्मेदारी मोहम्मद बाकिर जुलघद्र के पास थी। अब उन्हें मोजतबा खामेनेई ने अपना राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश में उनके अनुभव और कार्यों की सराहना की गई है। इससे साफ है कि जुलघद्र को पूरी तरह व्यवस्था से बाहर नहीं किया गया है, बल्कि उन्हें दूसरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इससे ईरान के शीर्ष नेतृत्व में सुरक्षा और राजनीतिक मामलों की जिम्मेदारियों में बदलाव दिखाई देता है। ईरानी सरकारी प्रसारक के मुताबिक, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मुलाकात की। बैठक में देश के सैन्य और आर्थिक मामलों पर चर्चा हुई। इसमें आम लोगों की जरूरतें, अमेरिका-इस्राइल के साथ जारी युद्ध की स्थिति, सैन्य घटनाक्रम और भविष्य की रणनीति शामिल रही। इसके अलावा ईरानी मुद्रा रियाल, विदेशी मुद्रा, ऊर्जा खर्च और संसाधनों के प्रबंधन पर भी बातचीत हुई। विदेशी देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। मोजतबा खामेनेई की सेहत और सार्वजनिक मौजूदगी को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। इनपुट के अनुसार, इस्राइली मीडिया में उनके बेहद गंभीर हालत में होने की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक पुराना वीडियो जारी किया, जिसमें मोजतबा खामेनेई स्वस्थ दिखाई दे रहे थे। उनके सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने के कारण उनकी स्थिति को लेकर अटकलें जारी रही हैं। इसी बीच राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ उनकी बैठक की जानकारी सामने आना ईरान के मौजूदा नेतृत्व और सत्ता तंत्र के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

ट्रंप ने बदला कानूनी पहरेदार: कौन हैं विल शार्फ जिन्हें मिली व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी किसकी लेंगे जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस के मौजूदा स्टाफ सेक्रेटरी विल शार्फ 1 सितंबर से नए व्हाइट हाउस काउंसल और राष्ट्रपति के असिस्टेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह डेविड वॉरिंगटन की जगह लेंगे, जो ट्रंप प्रशासन से विदा लेकर प्राइवेट सेक्टर में जा रहे हैं। शार्फ ने ट्रंप प्रशासन में अपनी मौजूदा भूमिका के अलावा नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन के चेयरमैन के तौर पर भी काम किया है। इसी दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

ट्रंप ने शार्फ को लेकर क्या कहा : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस नियुक्ति का एलान किया। उन्होंने कहा कि 1 सितंबर से विल शार्फ राष्ट्रपति के असिस्टेंट और व्हाइट हाउस काउंसल का पद संभालेंगे। ट्रंप ने डेविड वॉरिंगटन के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर और उससे पहले उनके राष्ट्रपति अभियान के लिए शानदार काम किया है। ट्रंप ने शार्फ की मौजूदा भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस स्टाफ सेक्रेटरी के तौर पर 'बहुत बढ़िया काम' किया है। उन्होंने शार्फ को व्यक्तिगत रूप से जानने की बात भी कही और उनके कानूनी अनुभव को रेखांकित किया। ट्रंप ने लिखा, 'विल मजबूत, ताकतवर और स्मार्ट हैं। उन्हें हमारे देश से प्यार है और वे कानून का सम्मान करते हैं। विल शार्फ व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर बहुत अच्छा काम करेंगे।'

शार्फ के पास कैसा कानूनी अनुभव है : ट्रंप के मुताबिक, विल शार्फ पहले कई मामलों में उनका प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट से जुड़े मामले भी शामिल हैं। ट्रंप ने विशेष रूप से बाइडन प्रशासन के दौरान सरकारी एजेंसियों के कथित भ्रष्टाचार और उनके 'वेपनाइज़ेशन' यानी सरकारी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामलों का उल्लेख किया। शार्फ पहले फेडरल प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम कर

चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने प्राइवेट प्रैक्टिस में अटॉर्नी के रूप में भी काम किया है। वह दो फेडरल अपील्स कोर्ट के जजों के लिए क्लर्क की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी क्या होती है : व्हाइट हाउस काउंसल राष्ट्रपति को उनके पद से जुड़े कानूनी और नीतिगत मामलों में सलाह देता है। यह कार्यालय व्हाइट हाउस और जस्टिस डिपार्टमेंट के बीच प्रमुख संपर्क बिंदु के रूप में भी काम करता है। काउंसल का कार्यालय राष्ट्रपति की ओर से दी जाने वाली माफ़ियों, न्यायिक नियुक्तियों और कानूनों की समीक्षा जैसे मामलों में भूमिका निभाता है। इसके अलावा, प्रशासन के खिलाफ कांग्रेस की ओर से होने वाली जांच और राष्ट्रपति के आधिकारिक पद पर रहते हुए उनके खिलाफ दायर मुकदमों से जुड़े मामलों के प्रबंधन में भी यह कार्यालय मदद करता है।

यह बदलाव राजनीतिक रूप से अहम क्यों है : व्हाइट हाउस काउंसल के पद पर यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। नवंबर में होने वाले इन चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस में अपना नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करेगी। वहीं, डेमोक्रेट्स पहले ही संकेत दे चुके हैं कि अगर वे चुनाव में सफल रहते हैं, तो वे ट्रंप और उनके प्रशासन की व्यापक जांच करेंगे। ऐसे में व्हाइट हाउस के शीर्ष कानूनी सलाहकार के तौर पर शार्फ़ की भूमिका आने वाले महीनों में महत्वपूर्ण हो सकती है।

नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन से शार्फ़ का क्या संबंध रहा है : ट्रंप ने जुलाई 2025 में विल शार्फ़ को नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया था। एग्जीक्यूटिव ब्रांच की एक एजेंसी है, जिसके पास वॉशिंगटन क्षेत्र में सरकारी इमारतों के निर्माण और बड़े नवीनीकरण से जुड़े मामलों में अधिकार हैं। शार्फ के नेतृत्व के दौरान ट्रंप प्रशासन के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यतः पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

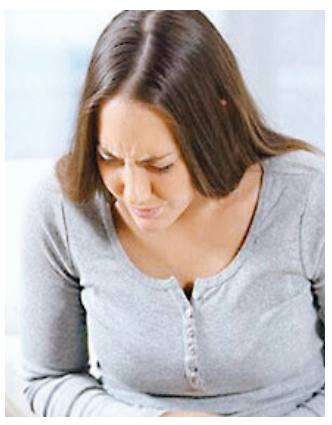

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गर्भवती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।

हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर:1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 1804

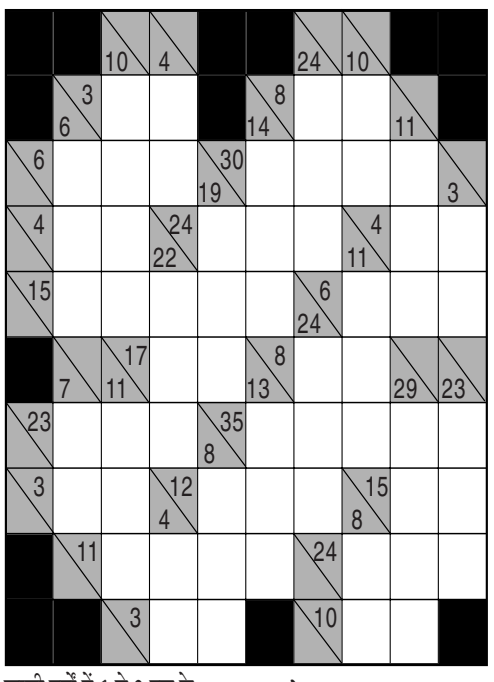

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

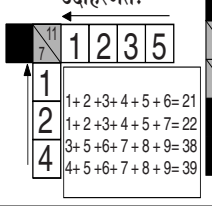

काकुरो - 1803 का हल

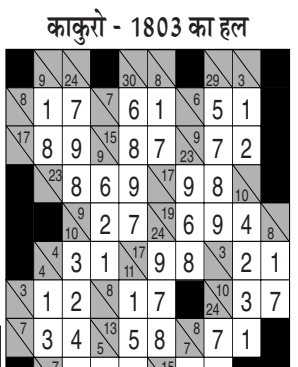

हंसी के फुव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- 'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली- 'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा- 'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है- 'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1804

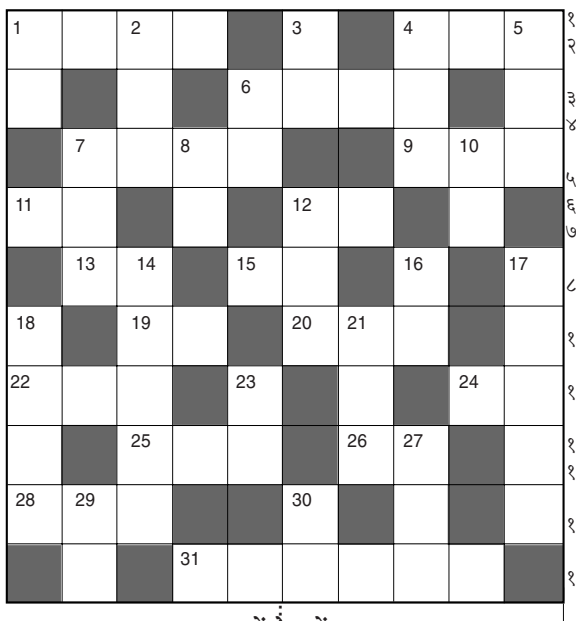

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा खवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचेः-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1803

सूडोकु -1804

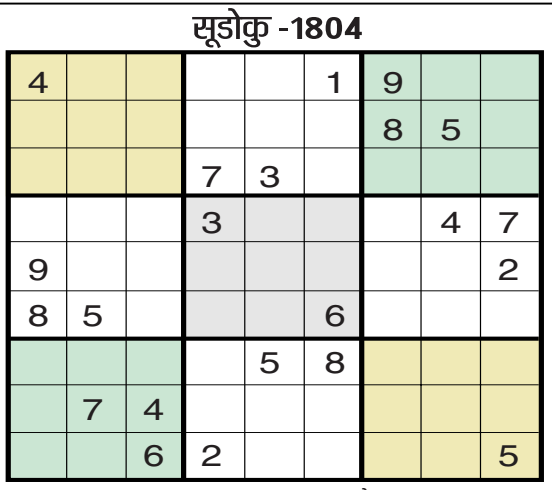

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1803 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 1804

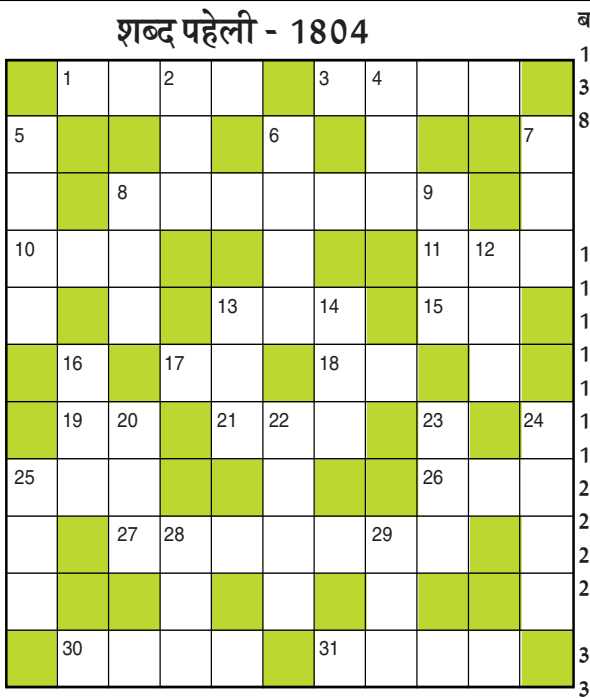

बाएँ से दाएँ

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रृंगार -3

शब्द पहेली -1803 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

छात्र आत्महत्या रोकने के लिए सरकार उठा रही बहुस्तरीय कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि देश में छात्र आत्महत्या के मामलों का आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा पुलिस में दर्ज मामलों के आधार पर एकत्र किया जाता है। एनसीआरबी की वार्षिक 'भारत में आकस्मिक मृत्यु एवं आत्महत्या' (एडीएसआई) रिपोर्ट में छात्र आत्महत्या के वर्षवार, राज्यवार, लिंग और आयु वर्गवार आंकड़े उपलब्ध हैं। शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि आत्महत्या के विभिन्न कारणों में करियर एवं पेशेवर समस्याएं, अकेलेपन की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, आर्थिक नुकसान और लंबे समय से चली आ रही पीड़ा शामिल हैं। सरकार ने बताया कि छात्रों, शिक्षकों और परिवारों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए कई स्तरों पर उपाय किए जा रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय की 'मनोदर्पण' पहल के तहत प्रशिक्षित काउंसलरों के माध्यम से राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन, 'सहयोग' लाइव सत्र और 'परिचर्चा' वेबिनार आयोजित किए जा रहे हैं।

एनसीईआरटी को मिला डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली को संस्थान डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की विशेषज्ञ समिति की सिफारिश के बाद शिक्षा मंत्रालय ने 30 मार्च 2026 को अधिसूचना जारी कर एनसीईआरटी को यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा तीन के तहत संस्थान डीम्ड यूनिवर्सिटी घोषित किया। शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। एनसीईआरटी के डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा दिए जाने के आवेदन की यूजीसी की विशेषज्ञ समिति ने यूजीसी (संस्थान डीम्ड यूनिवर्सिटीज) विनियम, 2023 के प्रावधानों के तहत जांच की। समिति ने समग्र मूल्यांकन के बाद एनसीईआरटी को संस्थान डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा देने की सिफारिश की थी। यूजीसी की सलाह पर मंत्रालय ने यह निर्णय लिया। मंत्रालय ने कहा कि यह दर्जा इस शर्त के अधीन दिया गया है कि एनसीईआरटी अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ डॉक्टोरल और नवाचार आधारित अकादमिक कार्यक्रम शुरू करने के लिए उचित कदम उठाएगा।

इस सप्ताह पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। इस सप्ताह पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने के आसार हैं। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में अगले दो-तीन दिनों के दौरान हल्की वर्षा जारी रहने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार मंगलवार को सुबह से दोपहर के बीच हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। इस दिन की अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33-35 डिग्री सेल्सियस और 23-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, बुधवार और गुरुवार को भी हल्की बौछारें पड़ सकती हैं। इस दिन का भी मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुसार दिल्ली-एनसीआर में आज कहीं-कहीं पर हल्की से मध्यम और कहीं-कहीं पर झमाझम बारिश हुई, जिससे उमस भरे मौसम से कुछ राहत मिली। आईएमडी के मुताबिक, उत्तरी मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण आज पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत अधिक बारिश होने की संभावना है। 12 अगस्त को उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और आसपास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनने के आसार हैं।

योगी सरकार का बड़ा कदम: करदाताओं को राहत, निकायों की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के नगरीय निकायों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार ने प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में लंबित संपत्ति कर यानी गृहकर, जलकर एवं सीवरकर की प्रभावी वसूली के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करने का निर्णय लिया गया है। सरकार की इस पहल से लंबे समय से संपत्ति कर के बकाये में फंसे लाखों करदाताओं को राहत मिलने के साथ ही नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होगी। योजना का लाभ प्रदेश के 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद और 545 नगर पंचायतों में लंबित संपत्ति कर के बकायेदारों को मिलेगा। सरकार का उद्देश्य पुराने कर बकायों का सरल एवं व्यावहारिक तरीके से निस्तारण कराना, करदाताओं पर आर्थिक दबाव कम करना और कर संबंधी न्यायालयीय विवादों में कमी लाना है।

आईआईटी जोधपुर के वैज्ञानिकों ने वेल्डिंग विज्ञान को दिया नया आयाम

परमाणु रिएक्टर से लेकर पुलों तक की संरचनाओं को सुरक्षित व टिकाऊ बनाने पर हो रहा शोध

वेल्डिंग विज्ञान के साथ प्रोफेसर छिब्बर का शोध तंतु-प्रबलित बहुलक नैनो-समग्र पदार्थों पर भी केंद्रित है।

एजेंसी

जोधपुर। परमाणु रिएक्टरों, ताप विद्युत संयंत्रों, अपतटीय प्लेटफॉर्म, ऊर्जा पाइपलाइनों, पुलों और अन्य महत्वपूर्ण औद्योगिक संरचनाओं की मजबूती एवं दीर्घायु में वेल्डेड जोड़ की अहम भूमिका होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर के वैज्ञानिक अत्याधुनिक वेल्डिंग तकनीकों और उन्नत सामग्रियों के विकास पर शोध कर रहे हैं। यह अनुसंधान देश की महत्वपूर्ण अवसंरचना को अधिक सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस अनुसंधान का नेतृत्व आईआईटी जोधपुर के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर राहुल छिब्बर कर रहे हैं। उनके वेल्डिंग एवं जॉइनिंग अनुसंधान समूह की ओर से उन्नत वेल्डिंग उपभोग्य सामग्री, नवीन जोड़ तकनीक और सामग्री अभियांत्रिकी से जुड़े समाधान विकसित किए जा रहे हैं। इनका उपयोग अति-उच्च तापमान वाले ताप विद्युत संयंत्रों, परमाणु रिएक्टरों, समुद्री संरचनाओं और रणनीतिक ऊर्जा अवसंरचना जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में किया जा सकता है। प्रोफेसर राहुल छिब्बर के अनुसार, किसी भी बड़ी संरचना की विश्वसनीयता काफी

हद तक उसके जोड़ों की मजबूती पर निर्भर करती है। वेल्डिंग की सूक्ष्म संरचना को समझने और उन्नत जोड़ तकनीक विकसित करने के माध्यम से अधिक सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ अवसंरचना तैयार करना अनुसंधान का प्रमुख उद्देश्य है। अनुसंधान समूह की ओर से उन्नत वेल्डिंग फ्लक्स और इलेक्ट्रोड आवरण विकसित किए जा रहे हैं। इनका उपयोग विभिन्न औद्योगिक वेल्डिंग प्रक्रियाओं में किया जाता है। शोधकर्ता सांख्यिकीय प्रयोगात्मक डिजाइन, पूर्वानुमान आधारित मॉडलिंग और कृत्रिम तंत्रिका तंत्र की मदद से बहु-घटक फ्लक्स प्रणालियों को बेहतर बनाने पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल खनिजों, जैसे लाल गेरू, का इस्तेमाल कर टिकाऊ और उच्च प्रदर्शन वाले वेल्डिंग इलेक्ट्रोड विकसित किए जा रहे हैं। वेल्ड पूल में पिघली धातु के प्रवाह और विभिन्न तत्वों के स्थानांतरण का सूक्ष्म अध्ययन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि सूक्ष्म स्तर पर होने वाले बदलाव वेल्ड की मजबूती, कठोरता और टिकाऊपन को किस तरह प्रभावित करते हैं।आधुनिक अभियांत्रिकी में अलग-अलग प्रकार की धातुओं को आपस में जोड़ना जरूरी होता है। हालांकि, असमान धातुओं की वेल्डिंग एक जटिल प्रक्रिया है। प्रोफेसर छिब्बर का अनुसंधान समूह डुप्लेक्स स्टेनलेस स्टील, इनकोनेल जैसे निकेल आधारित सुपरएलॉय और उच्च प्रदर्शन वाली पाइपलाइन स्टील की वेल्डिंग का अध्ययन कर रहा है। शोध में अवशिष्ट तनाव, कार्बन के स्थानांतरण और सूक्ष्म संरचनात्मक अस्थिरता जैसी चुनौतियों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्नत इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शिकी, इलेक्ट्रॉन बैकस्कैटर विवर्तन, संक्षारण मूल्यांकन तकनीकों और परिमित तत्व मॉडलिंग आधारित संगणकीय अनुकरण के माध्यम से वेल्डेड जोड़ों की दीर्घकालिक कार्यक्षमता तथा टूटने के व्यवहार का अध्ययन किया जा रहा है।

असम में फिर शुरू हुई सस्ती दाल और चीनी योजना, 70 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

'असम अपने क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य की जमीन से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।'

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य सरकार की सब्सिडी वाली खाद्य योजना को फिर से शुरू करने की घोषणा की। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को दाल और चीनी 100 रुपए में उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे राज्य के लगभग 70 लाख लोगों को फायदा होगा। यह योजना नगांव जिले के राहा से दोबारा शुरू की गई। राज्य के बजट से जुड़ी प्रक्रिया में देरी के कारण यह योजना करीब तीन महीने से बंद थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपनी प्रतिबद्धता के तहत पात्र लोगों को आवश्यक खाद्य सामग्री सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए दाल और चीनी की आपूर्ति फिर से शुरू कर रही है। यह योजना विधानसभा चुनावों से पहले शुरू की गई थी। इसके तहत

लोगों को चीनी, दाल और नमक रियायती दरों पर देने का प्रावधान था। हालांकि, मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों से फिलहाल नमक का वितरण शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नमक की आपूर्ति भी जल्द शुरू कर दी जाएगी। सरमा ने कहा, 'हम कुछ ही दिनों में नमक देना भी शुरू कर देंगे।' सरकार की यह पहल ऐसे समय में राहत देने वाली मानी जा रही है, जब जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें आम लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच चल रहे सीमा विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों राज्यों के मुख्य सचिव सीमा संबंधी मामलों पर चर्चा कर रहे हैं। इसके अलावा, दोनों राज्यों के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) भी स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

बड़गाम-दिल्ली कार्गो पार्सल सेवा बंद होने के पवन खेड़ा के दावे को रेलवे ने किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के बड़गाम से दिल्ली के आदर्शनगर के बीच चलने वाली कार्गो पार्सल ट्रेन सेवा बंद होने के दावे को खारिज करते हुए कहा कि यह सेवा पूरी तरह परिचालन में है और सितंबर 2025 से लगातार जारी है। रेलवे ने कहा कि यह सेवा कश्मीर घाटी के किसानों, बागवानों और व्यापारियों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पर निशाना साधते हुए दावा किया था कि बड़गाम-आदर्शनगर के बीच शुरू की गई पार्सल ट्रेन सेवा बंद कर दी गई है और यह महज एक 'पीआर स्टंट' बनकर रह गई है। उन्होंने कहा था कि इससे कश्मीर के फल उत्पादकों को नुकसान हो रहा है। उत्तर रेलवे ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से जवाब देते हुए कहा कि बड़गाम से आदर्शनगर, दिल्ली के बीच चलने वाली कार्गो पार्सल ट्रेन सेवा पूरी तरह परिचालन में है और इसे कभी बंद नहीं किया गया। रेलवे के मुताबिक, यह सेवा सितंबर 2025 से लगातार संचालित हो रही है। रेलवे ने बताया कि पार्सल ट्रेन के माध्यम से फल, सब्जियां और अन्य कृषि उत्पादों को किफायती, तेज और सुरक्षित तरीके से देश के बड़े बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है। राजमार्गों पर भूस्खलन या यातायात जाम जैसी परिस्थितियों में यह सेवा घाटी के बागवानों और कारोबारियों के लिए वैकल्पिक परिवहन माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कूड़ा प्रबंधन पर एमसीडी आयुक्त से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी

'एमसीडी आयुक्त समिति के समक्ष उपस्थित होकर सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब दें'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर कूड़ा प्रबंधन एवं आवारा पशुओं से संबंधित सदन में उठाई गई नागरिक समस्याओं का संज्ञान लेते हुए दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज दोनों मामलों को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) संबंधी विशेष समिति को सौंप दिया। कूड़ा प्रबंधन के संबंध में गुप्ता ने निर्देश दिया कि एमसीडी आयुक्त समिति के समक्ष उपस्थित होकर सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब दें तथा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निगम को समिति के समक्ष कूड़ा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्थाओं तथा इस दिशा में किए गए सुधारात्मक कार्यों का स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करना होगा। कूड़ा प्रबंधन का मुद्दा विधायक डॉ. अनिल गोयल ने नियम 280 के तहत उठाया। उन्होंने कूड़ा जमा होने वाले स्थानों, खुले कूड़ेदानों, अपर्याप्त कूड़ा उठाने की व्यवस्था तथा स्वच्छता से संबंधित चिंताओं को संक्षेप में सदन के समक्ष रखा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छता एवं सफाई दिल्ली नगर निगम की जिम्मेदारी है और निगम को इस जिम्मेदारी का प्रभावी ढंग से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां कूड़ा संग्रहण का कार्य सौंपे गए कर्मचारी अपेक्षित रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं, वहां उनके प्रदर्शन और जवाबदेही की भी जांच की आवश्यकता है। आवारा पशुओं का मुद्दा विधायक हरीश खुराना ने उठाया।

तमकनाला में बेली ब्रिज बहा, मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

एजेंसी

देहरादून। चमोली जिले के ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमकनाला में अत्यधिक जलप्रवाह के कारण बेली ब्रिज बहने की घटना का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संज्ञान लिया है। घटना के दौरान तेज बहाव की चपेट में आने से एक व्यक्ति और एक कैंपर वाहन के बहने की सूचना है और मलारी मार्ग पर आवाजाही बंद है। मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन से घटना की जानकारी लेते हुए राहत एवं बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने निचले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, संवेदनशील इलाकों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्थिति सामान्य होने तक प्रभावित मार्ग पर आवाजाही प्रतिबंधित रखने को कहा है। उन्होंने आसपास के गांवों में राशन, खाद्य सामग्री, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित न होने देने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने नदी-नालों और तेज जलप्रवाह वाले क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों को सतर्क रखने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों में सभी संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखने और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी करने को

कहा। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमकनाला में 123 बीआरटीएफ, सुराईथोटा द्वारा निर्मित बेली ब्रिज अत्यधिक जलप्रवाह के कारण पूरी तरह बह गया। घटना के दौरान तेज बहाव की चपेट में आने से एक व्यक्ति और एक कैंपर वाहन के बहने की सूचना है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गईं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत दो सौ छात्राओं को वितरित की साइकिलें

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'विद्या वाहिनी योजना' के तहत विधानसभा परिसर में कक्षा 9 में अध्ययनरत छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। इस अवसर पर उत्तरी जिले के जोन 7 की 200 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। यह पहल छात्राओं के लिए विद्यालय तक आवागमन को आसान बनाने के साथ-साथ उनकी शिक्षा की निरंतरता, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं ने कहा कि साइकिल मिलने से उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें साइकिल मिलने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक साइकिल

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन की ओर आगे बढ़ रही है।

केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि बेटियों की शिक्षा और उनके सपनों को आगे बढ़ाने का माध्यम है। सरकार का प्रयास है कि किसी भी बेटी को स्कूल तक पहुंचने में आने वाली दूरी या परिवहन की समस्या उसकी पढ़ाई के रास्ते में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि 'विद्या वाहिनी योजना' के माध्यम से दिल्ली सरकार बेटियों की शिक्षा को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कक्षा 9 में पढ़ने वाली लगभग 1.40 लाख छात्राओं को योजना के तहत साइकिलें वितरित की जा रही हैं। बेटियों की शिक्षा में किया गया निवेश समाज के उज्ज्वल भविष्य में किया गया निवेश है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है कि दिल्ली की बेटियों को शिक्षा, आधुनिक सुविधाओं और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इस सुविधा का उपयोग अपनी शिक्षा को और मजबूत करने में करें, अपने लक्ष्य तय करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। दिल्ली सरकार का लक्ष्य विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ समग्र और सक्षम वातावरण उपलब्ध कराना है ताकि हर विद्यार्थी बिना किसी बाधा के अपने सपनों की ओर आगे बढ़ सके।

महिला आरक्षण पर अड़ा अकाली दल

कहा- सीटें 50 प्रतिशत बढ़ाएं, जनसंख्या वाला फॉर्मूला पंजाब के लिए नुकसानदेह

'कांग्रेस पंजाब में अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है'

एजेंसी

चंडीगढ़। संसद के मानसून सत्र के बीच महिला आरक्षण, परिसीमन, एफसीआरए और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने सरकार से सदन कई मुद्दों पर जवाब देने की मांग की है। वहीं, शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने महिला आरक्षण के समर्थन को दोहराते हुए कहा कि पार्टी का विरोध आरक्षण से नहीं, बल्कि जनसंख्या-आधारित परिसीमन के उस फॉर्मूले से है, जिससे पंजाब की लोकसभा सीटों की संख्या घट सकती है। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने समाचार एजेंसी बात करते हुए कहा कि अकाली दल 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पेश होने के समय से ही इसके

समर्थन में रहा है। पार्टी ने तब भी मांग की थी कि कानून को जल्द से जल्द लागू किया जाए और अप्रैल में जब यह मुद्दा दोबारा उठा, तब भी अकाली दल का यही रुख था। हालांकि, उन्होंने जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई। बादल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रोजगार के अवसरों की कमी के कारण पंजाब से बड़ी संख्या में युवा और लोग दूसरे राज्यों में गए हैं। ऐसे में जनसंख्या आधारित फॉर्मूला पंजाब के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इस फॉर्मूले से पंजाब की लोकसभा सीटें मौजूदा 13 से कम हो सकती हैं।उन्होंने कहा कि अगर सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या 50 फीसदी बढ़ाने का प्रस्ताव विधेयक में शामिल किया जाता है, तो पंजाब की सीटें बढ़कर करीब 19-20 हो सकती हैं। इससे महिलाओं के लिए भी 7-8 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी।बादल ने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में अकाली दल महिला आरक्षण का विरोध क्यों करेगा। पार्टी की मांग महिला आरक्षण, समान रूप से सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि और जनसंख्या आधारित फॉर्मूले से बचने की है।

कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का रुख स्पष्ट है। सरकार जल्द से जल्द महिला आरक्षण बिल पर फैसला करे। पंजाब की राजनीति को लेकर कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अकाली दल और अन्य दलों के बीच गठबंधन का फैसला उनका अंदरूनी मामला है। कांग्रेस पंजाब में अपने दम पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है और पार्टी को जीत का भरोसा है। वहीं, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई कथित ज्यादती और पैलेट गन के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इन घटनाओं की जानकारी थी।

कर्नाटक में 175 केंद्रों पर शुरू होगी 'तेरे मेरे सपने' पहल, एनसीडब्ल्यू ने किया करार

एजेंसी

नई दिल्ली। शादी से पहले युवाओं और होने वाले पति-पत्नी को एक-दूसरे को बेहतर समझने और अच्छे रिश्ते बनाने में मदद करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने कर्नाटक सरकार के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत कर्नाटक में 175 प्री-मैरिटल कम्युनिकेशन सेंटर शुरू किए जाएंगे। यह केंद्र 'तेरे मेरे सपने' नाम की पहल के तहत काम करेंगे। कर्नाटक में इस कार्यक्रम का नाम 'तेरे मेरे सपने - कूडी बालोना' रखा गया है।इन केंद्रों पर शादी से पहले युवाओं और होने वाले जोड़ों को कई जरूरी बातों की जानकारी दी जाएगी।

इसका मुख्य उद्देश्य शादी के बाद होने वाली कई परेशानियों और गलतफहमियों को पहले ही कम करना है, ताकि पति-पत्नी के बीच विश्वास, समझ और सम्मान बना रहे। बेंगलुरु में इस समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर और कर्नाटक की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी राजनीश मौजूद रहीं। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग, राष्ट्रीय महिला आयोग और कर्नाटक राज्य महिला आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। 175 नए केंद्रों के लिए 175 परामर्शदाताओं (काउंसलर्स) का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। इन काउंसलर्स को युवाओं और होने वाले दंपतियों को सही तरीके से मार्गदर्शन देने के लिए प्रशिक्षित किया गया। आयोग इन केंद्रों के लिए प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराएगा, ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कार्यक्रम आयोजित करेगा और काम की निगरानी करेगा। कर्नाटक का महिला एवं बाल विकास विभाग इन केंद्रों को चलाएगा और लोगों को मुफ्त काउंसलिंग दी जाएगी। कर्नाटक राज्य महिला आयोग लोगों तक इस कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने और इसके काम की समीक्षा में मदद करेगा। विजया रहाटकर ने कहा कि मजबूत परिवार अच्छे संवाद, विश्वास और एक-दूसरे की समझ पर बनते हैं। उन्होंने कहा कि शादी से पहले सही सलाह और काउंसलिंग मिलने से युवा बेहतर और मजबूत रिश्ते बना सकते हैं।

यशपाल शर्मा

वर्ल्ड कप 1983 के नायक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला था

नई दिल्ली । वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई। अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया। करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे। यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2

शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए। 1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे। उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया। इस दिग्गज क्रिकेटर ने अपने करियर में साबित किया है कि बड़े मंच पर दबाव के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

25 हजार+ रन और 577 विकेट

ब्रेट ली ने तेंदुलकर नहीं इस दिग्गज को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर दुनिया के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों में 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ दोनों फॉर्मेट में 250 से ज्यादा विकेट भी लिए हैं। तेंदुलकर टेस्ट और वनडे में क्रमश: 15,921 और 18,426 रन स्कोर के साथ सबसे ज्यादा रन

बनाने वाले खिलाड़ी हैं, वहीं कैलिस को दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने तीनों प्रारूप मिलाकर 25000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 277 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया है कि वे तेंदुलकर को अब तक का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज और कैलिस को अब तक का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर मानते हैं।

सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस- ली ने यूट्यूब पर पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' में बात करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मेरे हिसाब से सचिन तेंदुलकर अब तक के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन मेरी राय में सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस हैं। उनके आंकड़े दुनिया में सबसे अच्छे हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखें तो वे कभी झूठ नहीं बोलते। वे सच में कमाल के हैं।'

कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे- ली ने आईपीएल में कैलिस के साथ बिताए अपने समय के बारे में भी बात की और बताया कि बैटिंग करने जाने से पहले कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे।

KBC में अमिताभ बच्चन ने पूछा सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल

आमिर खान-सनी देयोल को नहीं पता था जवाब

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति के 18वें सत्र के पहले एपिसोड में दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने आमिर खान, प्रीति जिंटा और सनी देओल ने भारतीय के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल पूछा। आमिर खान और सनी देओल को इसकी इसकी जानकारी नहीं थी। पंजाब किंग्स की सह-

मालकिन प्रीति जिंटा ने इसका जवाब दिया, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थीं। अमिताभ बच्चन ने 1 लाख रुपये के सवाल में पूछा कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑरेंज कैप कौन जीता? इसके लिए स्क्रीन पर पर्पल कैप के सामने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की फोटो दिखाई गई और पूछा गया कि ऑरेंज कैप के सामने किस खिलाड़ी को फोटो आएगी। इनमें 4 ऑप्शन केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी थे।

मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी- आमिर खान ने स्क्रीन की ओर देखते हुए प्रीति जिंटा से कहा, 'यार क्रिकेट का आपको पता होना चाहिए।'

गॉल में भारत का रिकॉर्ड

1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले, भारत को 22 में जीत मिली है

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा। केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा

2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा

इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 2 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

घुटने की चोट के कारण

सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

नई दिल्ली । दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा। सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।'

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है।'

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे।इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

रोहित की छुट्टी

IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान, वनडे में नेपाल का बदला कप्तान

नई दिल्ली। नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी संदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है।

लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल- 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जिताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

लामिछाने की उपलब्धियां

पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड 2027 के लिए क्वालिफाई

आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

UPT20: ज़ुरेल जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से कैसे मिलता है फायदा?

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश टी20 (यूपीटी20) लीग का चौथा सीजन इस बार और भी भव्य और रोमांचक होने जा रहा है। गोरखपुर लायंस की टीम ने टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज आर्यन जुयाल

और तेज गेंदबाज विशाल निषाद ने टीम की तैयारियों, रणनीतियों और आगामी सीजन पर मीडिया से विशेष बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने से क्या लाभ मिलता है। दोनों खिलाड़ी आईपीएल में चुने जा चुके हैं खिलाड़ियों के अनुसार इस सीजन में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा रहने वाला है। टीम प्रबंधन और ओनरशिप ने ऑक्शन से लगभग डेढ़ महीने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया था, जिसके दम पर एक संतुलित और मजबूत टीम कॉम्बिनेशन तैयार किया गया है।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: बंदरों से निपटने का उपाय

लंगूर की आवाज निकालने वालों की ली जाएगी सेवा

नई दिल्ली। अगले सप्ताह दिल्ली में शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों के खलल को रोकने के लिए आयोजकों ने एक अनोखा उपाय अपनाया है। उन्होंने तीन पेशेवर विशेषज्ञों को बुलाया है, जो लंगूर की तरह आवाज निकाल सकते हैं ताकि बंदरों को स्टेडियम से दूर भगाया जा सके।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने माना कि यह उपाय सुनने में लोगों को मजाकिया लग सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि भारत इस विश्वस्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प- 17 वर्षों बाद भारत में लौट रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई)

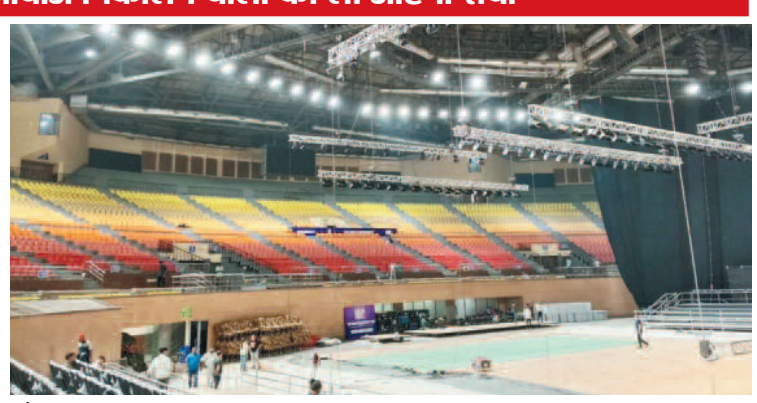

और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प किया है। इसका उद्देश्य इस वर्ष जनवरी में हुए इंडिया ओपन के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई आलोचना जैसी स्थिति से बचना है।

'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदर- आयोजकों ने तीन प्रशिक्षित 'मंकी व्हिस्परर्स' (बंदरों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ) को नियुक्त किया है, जो लंगूर की आवाज निकालकर 'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदरों को डराकर भगाएंगे।

इंडिया ओपन में डाला था खलल

इंदिरा गाधी स्टेडियम में ही 17 से 23 अगस्त तक विश्व चैंपियनशिप आयोजित होगी। यह अनोखा कदम जनवरी में हुए इंडिया ओपन के बाद उठाया गया है। उस टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे, जिससे कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान पड़ा और इसकी तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बनी थीं।

लंगूर से डरते हैं 'रीसस मकाक'

विशेषज्ञों के अनुसार, 'रीसस मकाक' बंदर लंगूर से डरते हैं। लंगूर आकार में उनसे काफी बड़े होते हैं। इसी स्वाभाविक डर का फायदा उठाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐसे कार्यों के लिए वास्तविक लंगूरों के इस्तेमाल पर वर्ष 2012 में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

जिमी शेरगिल के साथ स्क्रीन शेयर कर

खुश हुई दीया मिर्जा

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हालिया रिलीज वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) की पत्नी कमलप्रीत कौर धनोआ के किरदार में नजर आ रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सीरीज का हिस्सा बनकर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें अभिनेता जिमी शेरगिल के समेत कई लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि सीरीज का हिस्सा होना उनके लिए बड़ी बात है, जिसके लिए उन्होंने सभी का आभार जताया। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'एक कलाकार के तौर पर हम जो किरदार हम किरदार नहीं चुनते, बल्कि किरदार हमें चुनता है, जिससे हम एक बेहतर इंसान बनते हैं। 'ऑपरेशन सफेद सागर' में कमलप्रीत धनोआ का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। कमल मैम आपका शुक्रिया। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। टोनी सर, आप कमाल हैं। जिमी शेरगिल सर, आपके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। टोनी धनोआ (पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ का घर का नाम) के रोल के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। 6 एपिसोड की एक हिंदी वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में जिमी शेरगिल ने अभिनेत्री दीया मिर्जा के पति पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) का किरदार निभाया है। सीरीज में दीया मिर्जा ने कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाने के जरिए उन महिलाओं के अनकहे बलिदानों और ताकत को पर्दे पर उतारा है, जो अपने पतियों को मुस्कुराकर देश की रक्षा के लिए भेजती हैं। सीरीज में युद्ध के मैदान के साथ-साथ राजनीतिक और कूटनीतिक तनावों (जैसे भारत और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के बीच की हलचल) का भी यथार्थवादी चित्रण किया गया है। सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के ऐतिहासिक और साहसी हवाई ऑपरेशन पर आधारित है। सीरीज में दीया और जिमी शेरगिल के अलावा, सिद्धार्थ, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज 7 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

'किल' डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट का हॉलीवुड डेब्यू, जेमी फॉक्स के साथ बनाएंगे एक्शन थ्रिलर

डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

डेडलाइन की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डेडलॉक्ड' को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और 'किल' की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है, जिसके बाद कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट आता है। इस फिल्म को एरिक स्कॉट एंडरसन और मैट ताकेजिरो बोसैक ने लिखा है। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ब्रायन कवानॉ-जोंस, फ्रेड बर्जर, डेव कैपलान और खुद जेमी फॉक्स की टीम संभाल रही है। जेमी फॉक्स हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'बैक इन एक्शन' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ कैमरून डियाज थीं। वह जल्द ही 'फाइट फॉर '84' नाम की एक और फिल्म में दिखाई देंगे।

निखिल नागेश भट्ट के बारे में

निखिल नागेश भट्ट को इंटरनेशनल पहचान उनकी फिल्म 'किल' से मिली, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इस फिल्म को लायंसगेट ने खरीदा और 2024 में इसे बड़े स्तर पर रिलीज किया गया। लक्ष्य और राघव जुयाल स्टारर 'किल' को भारत की सबसे हिंसक फिल्मों में से एक माना गया। 'किल' के अलावा निखिल 'अपूर्वा', 'हुरदंग' जैसी फिल्में और 'रस भरी', 'द गॉन गेम' जैसी वेब सीरीज भी डायरेक्ट कर चुके हैं।

रेड कार्पेट पर निकिता रावल के साथ फैन की हैरान करने वाली हरकत

बिना इजाजत किया किस

अभिनेत्री निकिता रावल हाल ही में एक रेड कार्पेट कार्यक्रम के दौरान उस समय पूरी तरह चौंक गईं, जब एक महिला प्रशंसक उनके पास आई और अचानक उनके होंठों पर किस कर लिया। इस अप्रत्याशित घटना से निकिता हैरान रह गईं और असहज भी नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में निकिता रावल एक कार्यक्रम के रेड कार्पेट पर पैपराजी के लिए पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। वह कैमरों की तरफ देखकर तस्वीरें खिंचवा रही थीं कि तभी एक महिला फैन उनके पास पहुंचती है। फैन निकिता से सेल्फी लेने की इच्छा जाहिर करती है। शुरुआत में दोनों के बीच बातचीत सामान्य दिखाई देती है और निकिता भी उस फैन के साथ सहज नजर आती हैं। वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि महिला फैन अचानक निकिता के गाल पर किस कर देती है। निकिता इस हरकत से चौंक जाती हैं, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने स्थिति को और असहज बना दिया। गाल पर किस करने के बाद महिला फैन ने निकिता को अपनी तरफ खींच लिया और उनके होंठों पर भी किस कर दिया। यह सब इतनी तेजी से हुआ कि निकिता को संभलने का मौका तक नहीं मिला। अचानक हुई इस हरकत से निकिता हैरान रह गईं। वीडियो में वह महिला को रोकने की कोशिश करती हुई भी नजर आती हैं। वह इस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करती हैं, लेकिन महिला फैन ने उन्हें पकड़े रखा। इस वजह से निकिता काफी असहज दिखाई देती हैं। महिला फैन यहीं नहीं रुकी। वहां से जाने से पहले उसने निकिता के गाल पर एक बार फिर किस किया और फिर वहां से चली गई। यह पूरा घटनाक्रम कैमरों में रिकॉर्ड हो गया। वीडियो सामने आने के बाद यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

'शांत हो जाओ'

गुरु रंधावा का तीखा पोस्ट! नए गाने 'फाइन शिट' पर हो रही ट्रोलिंग्स का दिया जवाब

सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'फाइन शिट' को लेकर फिलहाल जमकर ट्रोल हो रहे हैं। इस गाने के लिरिक्स और प्रेजेंटेशन फैंस को पसंद नहीं आ रहे हैं। अब गुरु ने इन सबका जवाब दिया है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया और कैप्शन में खास नोट भी लिखा है। सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'फाइन शिट' को लेकर फिलहाल जमकर ट्रोल हो रहे हैं। इस गाने के लिरिक्स और प्रेजेंटेशन फैंस को पसंद नहीं आ रहे हैं। अब गुरु ने इन सबका जवाब दिया है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया और कैप्शन में खास नोट भी लिखा है।

ट्रोलिंग्स पर क्या बोले गुरु?

ट्रोलिंग्स के बीच सिंगर ने रिएक्शन दिया है। उन्होंने इसे 'एक छोटी सी स्लैंग' बताया और साफ कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स से शांत रहने की अपील की। अपने इंस्टाग्राम पर गुरु ने लिखा, 'मैं मानता हूं कि मैं ऐसे गाने बनाता हूं जो आपके दिमाग में बार-बार चलते रहते हैं। जो एडिट्स बन रहे हैं, वो मुझे अच्छे लग रहे हैं। कोई नेगेटिव फीलिंग नहीं है। ये बस एक छोटी सी स्लैंग है... शांत हो जाओ, शांत हो जाओ, शांत हो जाओ दोस्तों।'

बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं इमरान

अभिनेता इमरान खान ने काफी वक्त से स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। मगर अब वह बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक बातचीत के दैरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से जुड़ी जानकारी साझा की।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इमरान खान ने अपनी अगली फिल्म के बारे में काफी कुछ बताया। हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इमरान ने कहा, 'मेरी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इस साल के अंत तक इसके रिलीज होने की उम्मीद है। यह एक एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो मेरे जीवन के मौजूदा हालात दर्शाती है।' इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में बतौर लीड हीरो नजर आए थे। अब वे सीधे फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' में लीड रोल प्ले करेंगे। फिल्म के बारे में आगे एक्टर ने कहा, 'मैंने अभी-अभी एक बेहद प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्री, गुरफतेह पीरजादा के साथ काम किया है। दरअसल, यह वो फिल्म है जिसे मुझे 10 साल बाद बनाना ही था।' बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है।

इमरान खान का वर्कफ्रंट

इमरान खान ने 2008 में रिलीज हुई 'जाने तू या जानें ना' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा भी नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स आफिस पर एक बड़ी हिट साबित हुई थी। इसके बाद इमरान ने 'लक', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'देल्ही बेली' और 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' जैसी कई हिट फिल्में दी थीं। इस साल जनवरी में इमरान ने अपने मामा आमिर खान के बैनर तले बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस' में कैमियो किया था।

ललकारा से हटे फरहान?

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया है। फरहान अख्तर के इस प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब एक्टर सिद्धांत गुप्ता इसमें शामिल हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान अख्तर ने फिल्म से इसलिए किनारा कर लिया क्योंकि इसकी शूटिंग का शेड्यूल संगीतकार आर.डी. बर्मन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग से टकरा रहा था। अब 'ललकारा' में फरहान अख्तर की जगह सिद्धांत गुप्ता अदाकारी करेंगे। सिद्धांत को सीरीज 'जुबली' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में एक्टिंग के लिए काफी तारीफ मिली है। उम्मीद है कि हाल के वर्षों की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में एक्टर, आमिर खान के साथ एक अहम किरदार निभाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धांत फिल्म में मुख्य किरदारों में से एक (पैरेलल लीड) निभाएंगे। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर हालिया सफलता के बाद उनके करियर में यह एक और बड़ा पड़ाव होगा। खबर है कि एक्टर ने रोल के लिए तैयारी शुरू कर दी है, हालांकि मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती : अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान मुंबई में अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत की। इस दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया। उन्होंने कहा, 'तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है। 'हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है। बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं। शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है।

पर्सनल लाइफ पर अफवाह फैलाने वालों पर अमृता हुई सख्त

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अमृता खानविलकर और उनके पति व एक्टर हिमांशु मल्होत्रा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई खबरें सामने आ रही थीं, जिसमें दावा किया जा रहा था कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं। अब अमृता ने इन खबरों पर सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। अमृता की ओर से उनकी लीगल टीम ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, ''कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस की निजी जिंदगी को लेकर ऐसी खबरें और बातें शेयर की जा रही हैं, जो बेबुनियाद, मानहानि वाली और उनकी निजता का उल्लंघन करने वाली हैं। हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी है, लेकिन इस आजादी का गलत इस्तेमाल करके अमृता के बारे में अफवाह, बिना पुष्टि की गई जानकारी, गलत आरोप या भ्रामक बातें फैलाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।'' अमृता और हिमांशु की पहली मुलाकात साल 2004 में टीवी शो 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज' के सेट पर हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों की दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। कई साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने जनवरी 2015 में शादी कर ली थी। शादी के कुछ समय बाद अमृता और हिमांशु एक साथ डांस रियलिटी शो 'नच बलिए 7' में भी नजर आए थे। शो में दोनों ने बतौर कपल हिस्सा लिया था। उस समय उनकी जोड़ी को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। अब शादी के कई साल बाद दोनों की निजी जिंदगी को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आने के बाद अमृता ने कानूनी बयान जारी किया है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है-

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है- डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

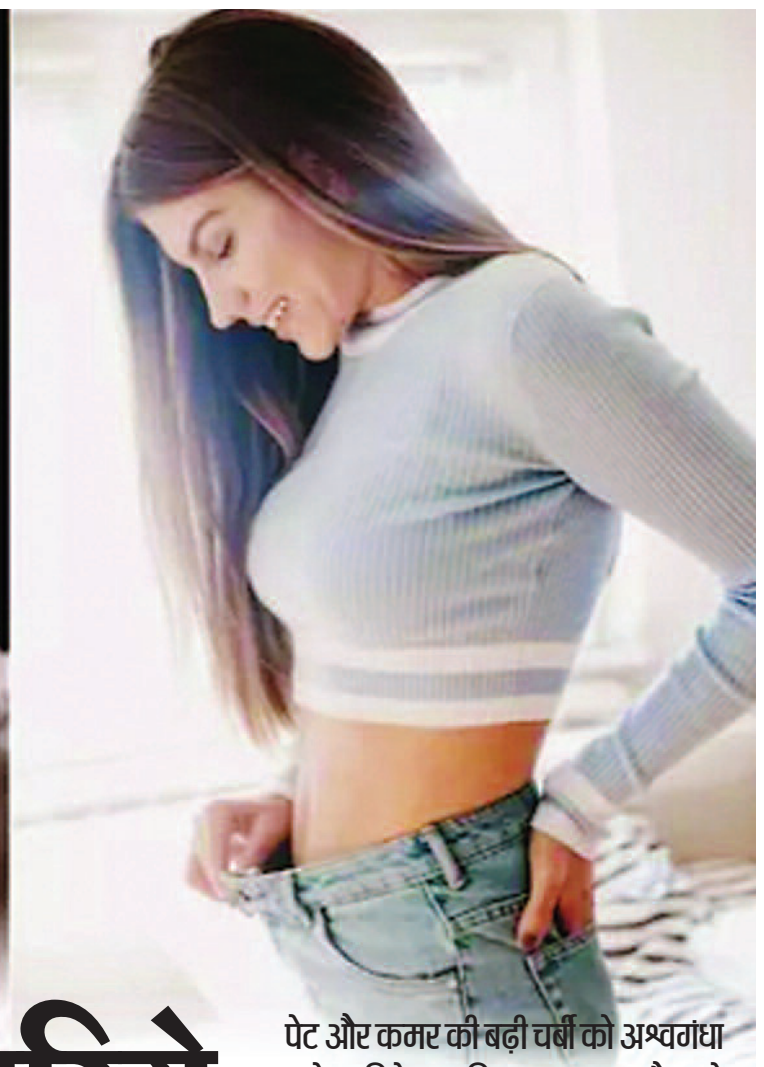

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलिजम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।